दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 17 | अंक 71 | सीकर, शुक्रवार 08 मई 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

जल जीवन मिशन घोटाला : पूर्व मंत्री महेश जोशी को एसीबी ने किया गिरफ्तार

कोर्ट ने 11 मई तक एसीबी रिमांड पर भेजा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए तत्कालीन पीएचईडी मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार किया है। एसीबी की विशेष जांच टीम ने उन्हें जयपुर स्थित आवास से हिरासत में लेकर एसीबी कोर्ट में पेश किया। जहां अदालत ने उन्हें 11 मई 2026 तक एसीबी रिमांड पर भेज दिया। एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपए के टेंडरों में व्यापक भ्रष्टाचार, टेंडर फिक्सिंग और फर्जी दस्तावेजों के जरिए अनुचित लाभ पहुंचाने का मामला सामने आया है। जांच में यह भी सामने आया कि फर्जी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्रों के आधार पर करीब 960 करोड़ रुपए के टेंडर हासिल किए गए।

फर्जी प्रमाण पत्रों से टेंडर हासिल

गुप्ता ने बताया कि जांच में सामने आया कि मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवैल कंपनी के प्रोपराइटर महेश मित्तल और मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी के प्रोपराइटर पदमचंद जैन ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी प्रमाण पत्र तैयार किए। इन दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न टेंडर हासिल किए गए। एसीबी का आरोप है कि तत्कालीन मंत्री महेश जोशी ने तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी सुबोध अग्रवाल, मुख्य अभियंताओं, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं, संवेदकों और निजी व्यक्तियों के साथ मिलीभगत कर यह पूरा खेल रचा।

नियमों के विरुद्ध बदली टेंडर प्रक्रिया

जांच में यह भी सामने आया कि 50 करोड़ रुपए से अधिक के मेजर प्रोजेक्ट्स में साइट विजिट प्रमाण-पत्र की बाध्यता को नियमों के विपरीत निविदाओं में शामिल किया गया। इससे बोलीदाताओं की पहचान उजागर हुई और टेंडर पुलिंग को बढ़ावा मिला। एसीबी के अनुसार इस प्रक्रिया के चलते 30 से 40 प्रतिशत तक अत्यधिक टेंडर प्रीमियम मिला। जिन टेंडरों में अनियमितता सामने आई उनकी कुल राशि करीब 20 हजार करोड़ रुपए बताई जा रही है।

अब तक 11 आरोपी गिरफ्तार और तीन फरार

प्रकरण में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें महेश जोशी तत्कालीन मंत्री पीएचईडी विभाग, सुबोध अग्रवाल सेवानिवृत्त आईएएस एवं तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव, दिनेश गोयल हाल मुख्य अभियंता प्रशासन,

केडी गुप्ता हाल मुख्य अभियंता ग्रामीण, सुभांशु दीक्षित तत्कालीन सचिव आरडब्ल्यूएसएसएमटी एवं हाल अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर क्षेत्र-द्वितीय,

सुशील शर्मा हाल वित्तीय सलाहकार अक्षय ऊर्जा, नीरज कुमार हाल मुख्य अभियंता चूरू, विशाल सक्सेना अधिशाषी अभियंता निलंबित, अरुण श्रीवास्तव अतिरिक्त मुख्य अभियंता सेवानिवृत्त, डीके गौड़ तत्कालीन मुख्य अभियंता एवं तकनीकी सदस्य सेवानिवृत्त, महेंद्र प्रकाश सोनी तत्कालीन अधीक्षण अभियंता सेवानिवृत्त और मुकेश पाठक निजी व्यक्ति शामिल है और वहीं इस मामले में मुकेश गोयल तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, जितेंद्र शर्मा तत्कालीन अधिशाषी अभियंता और संजीव गुप्ता निजी व्यक्ति फरार हैं। इनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किए जा चुके हैं और उद्घोषित अपराधी घोषित करने की कार्रवाई जारी है।

शादी की सालगिरह पर की गिरफ्तारी

डीआईजी डॉ रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में एसीबी एसआईटी सुबह करीब साढ़े चार बजे जयपुर रेलवे स्टेशन के पास सैन कॉलोनी स्थित महेश जोशी के आवास पहुंची। उस दिन उनकी शादी की सालगिरह थी और मंदिर दर्शन का कार्यक्रम था। एसीबी टीम ने उन्हें हिरासत में लेने से पहले स्नान और पास स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक की अनुमति दी। बाद में उन्हें जयपुरिया अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया और फिर एसीबी मुख्यालय लाकर पूछताछ की गई। दोपहर में कोर्ट में पेशी के बाद अदालत ने उन्हें पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया।

बोले महेश जोशी - मैं निर्दोष हूं

गिरफ्तारी के बाद महेश जोशी ने कहा कि वह निर्दोष हैं और सत्य कभी पराजित नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि वह खुद को निर्दोष साबित नहीं कर पाए तो ऐसा कदम उठाएंगे कि किसी को उनसे शिकायत नहीं रहेगी। वहीं उनकी शादी की सालगिरह पर उन्हे गिरफ्तार कर सरकार ने उनकी पत्नी को श्रद्धांजलि दी है लेकिन अन्याय बहुत दिन नहीं चलता। वहीं जिन पर कार्रवाई की थी, उनसे बयान लेकर उन्हे फंसाया जा रहा है। इसके अलावा उन्हें एसीबी की तरफसे कोई नोटिस नहीं मिला है।

पिछले साल ही हुआ था पूर्व मंत्री की पत्नी का निधन

गौरतलब है कि महेश जोशी की पत्नी कौशल देवी का 28 अप्रैल 2025 को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। उन्हें किडनी सहित कई गंभीर बीमारियां थीं और ब्रेन हेमरेज के चलते वे अचेत अवस्था में मणिपाल हॉस्पिटल में भर्ती थीं। उनके निधन से एक दिन पहले ही ईडी ने कोर्ट से अनुमति लेकर अस्पताल में पूर्व मंत्री की उनकी पत्नी से मुलाकात कराई थी। इसके बाद पूर्व मंत्री को 7 दिन की परौल भी गई थी।

पिछले साल दिसंबर में ही सुप्रीम कोर्ट ने दी थी जमानत

यह भी बता दें कि जेजेएम घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच ईडी कर रही है। पहले महेश जोशी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। करीब 7 महीने जेल में रहने के बाद 3 दिसंबर 2025 को ही सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए उन्हें जमानत दी थी लेकिन अब वे वापस जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं।

15 ठिकानों पर पड़े थे छापे

इसी मामले में ईडी ने 2025 में पूर्व मंत्री को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। 17 फरवरी को एसीबी ने करीब 15 ठिकानों पर छापेमारी कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया था।

ग्राम विकास अधिकारी 25 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल यूनिट कोटा ने कार्रवाई करते हुए बूंदी जिले की केशवरायपाटन पंचायत समिति के ग्राम विकास अधिकारी सतवीर सिंह कुमावत को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने 5 मई को शिकायत दी थी कि वह ग्राम पंचायत सखावदा में स्वच्छ भारत अभियान के तहत कचरा संग्रहण, नाली सफाई और सामुदायिक परिसरों की सफाई का कार्य करता है। उसने दो माह के कार्यों के बिल ग्राम विकास अधिकारी को दिए थे लेकिन 1.50 लाख रुपए से अधिक की बिल राशि पास करने, सिक्योरिटी राशि लौटाने तथा अन्य टेंडर कार्यों में बाधा नहीं डालने की एवज में ग्राम विकास अधिकारी 25 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत का 6 मई को गोपनीय सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। इसके बाद उप महानिरीक्षक ओमप्रकाश मीणा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा के नेतृत्व में एसीबी टीम ने गुरुवार को ट्रैप कार्रवाई की। पुलिस निरीक्षक पृथ्वीराज मीणा के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए आरोपित ग्राम विकास अधिकारी सतवीर सिंह कुमावत को केशवरायपाटन पंचायत समिति कार्यालय में परिवादी से 25 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

मेडिकल स्टोर लाइसेंस के बदले 13 हजार की रिश्वत लेते संविदा कर्मी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोंक टीम ने कार्रवाई करते हुए जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण कार्यालय टोंक में कार्यरत संविदाकर्मी कम्प्यूटर ऑपरेटर सोनू पंवार को 13 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने मेडिकल स्टोर लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि लाइसेंस प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बदले आरोपित सोनू पंवार लगातार रिश्वत मांग कर परिवादी को परेशान कर रहा था। शिकायत मिलने पर एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान आरोपित ने पहले 15 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। परिवादी द्वारा राशि कम करने की बात कहने पर 13 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। इसके बाद अजमेर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबर मल के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपित सोनू पंवार ने अपने कार्यालय में परिवादी से 13 हजार रुपए रिश्वत राशि लेकर गिनी और अपनी पैंट की जेब में रख ली। एसीबी टीम को देखते ही आरोपित घबरा गया और रिश्वत की राशि जेब से निकालकर कार्यालय कक्ष के गेट के पास फर्श पर फेंक दी। टीम ने मौके से रिश्वत राशि बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार किया।

किरोड़ी मीणा ने पकड़ा फसल बीमा में करोड़ों का फर्जीवाड़ा

यूपी-बिहार के फर्जी किसानों के नाम 9 करोड़ ट्रांसफर की थी तैयारी, मंत्री बोले- यह लूट शर्मनाक

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में एक बार फिर करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा हुआ है। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने दावा किया कि यूपी और बिहार के फर्जी किसानों के नाम पर करीब 9 करोड़ रुपए ट्रांसफर करने की तैयारी थी। उन्होंने इसे किसानों के हक पर डाका बताते हुए कहा कि इस तरह की लूट बेहद शर्मनाक है। दरअसल, हनुमानगढ़ के पल्लू की एसबीआई ब्रांच में 162 फर्जी किसानों के खातों में 9 करोड़ का फसल बीमा क्लेम पास हो गया और यह पैसा उनके बैंक खातों में ट्रांसफर होने वाला था। जिन लोगों के नाम क्लेम पास हुआ, उनकी कहीं कोई जमीन ही नहीं है।

बंगाल में सियासी खींचतान खत्म... राज्यपाल ने भंग की विधानसभा, बिना इस्तीफा दिए भी ममता अब सीएम नहीं

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देने पर अड़ी हुई हैं. राज्य में हिंसक घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं. इस बीच गुरुवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी है. ऐसे में इस्तीफा न देने के बाद भी ममता बनर्जी मुख्यमंत्री नहीं रहेंगी. क्योंकि, विधानसभा भंग होने के बाद निवर्तमान सरकार का कोई अस्तित्व नहीं रह जाता. सदन के साथ-साथ पूरी कैबिनेट भी भंग हो जाती है. मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई तक ही था. अगर विधानसभा भंग भी न होती, तो 7 मई के बाद पुराने विधायक, विधानसभा, कैबिनेट और मुख्यमंत्री वैलिड नहीं रहते.

4 मई को आए चुनाव नतीजों में बीजेपी ने 207 सीटें जीती हैं. ऐसे में अब बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार बनने जा रही हैं.

शुक्रवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक होनी है. इसमें सीएम के नाम का ऐलान किया जाएगा. इसके बाद 9 मई को बीजेपी सरकार का गठन होगा. नए मुख्यमंत्री और कुछ चुनिंदा विधायक शपथ लेंगे. इसी दिन कैबिनेट की बैठक भी होगी. शपथ ग्रहण के लिए 9 मई को एक खास वजह से चुना गया है. इस दिन विश्वकवि रविंद्र नाथ टैगोर की 165वीं जयंती है.

ममता ने इस्तीफा देने से कब और क्यों किया था इनकार?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजे आने के एक दिन बाद 5 मई को ममता बनर्जी ने चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया. दीदी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था. ममता ने कहा, हम हारे नहीं हैं. हराए गए हैं. मैं सीएम पद से इस्तीफा नहीं दूंगी. मैं हारी नहीं हूं. इसलिए इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता. मैं राजभवन (गवर्नर हाउस) नहीं जाऊंगी.

ईसी पर लगाए बीजेपी से साठगांठ के आरोप

दीदी ने कहा, बीजेपी चुनाव आयोग के जरिए आधिकारिक तौर पर हमें हरा सकती है, लेकिन नैतिक रूप से हमने ही चुनाव जीता है. यह बीजेपी और चुनाव आयोग के बीच साठगांठ का रिजल्ट है. ममता ने ये भी आरोप लगाया कि बीजेपी और चुनाव आयोग ने एसआईआर के बहाने 100 सीटें लूटीं.

25 हजार की रिश्वत की लेता जेवीवीएनएल कर्मी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अलवर प्रथम टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जेवीवीएनएल किशनगढ़बास ग्रामीण क्षेत्र के आंधाका फीडर कार्यालय में कार्यरत हेल्पर/लाइनमैन संदीप को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपित कर्मचारी परिवादी से वीसीआर नहीं भरने की एवज में रिश्वत मांग रहा था। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने एसीबी चौकी अलवर में शिकायत दी थी कि उसके घर पर बिजली लाइन से तार डालने के मामले में 5 मई 2026 को विजिलेंस टीम पहुंची थी। इस दौरान संदीप कुमार लाइनमैन और एईएन ने घर की फोटो खींचकर वीसीआर भरने की कार्रवाई की। परिवादी के साथ उसके भाई और भतीजे के नाम भी वीसीआर भरने की बात कही गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि परिवादी के घर पर अनुपस्थित रहने के बावजूद संदीप कुमार द्वारा वीसीआर नहीं भरने की एवज में 35 हजार रुपए रिश्वत मांगी जा रही थी और लगातार परेशान किया जा रहा था। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें आरोपित कर्मचारी द्वारा 25 हजार रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद उप महानिरीक्षक पुलिस भुवन भूषण के सुपरवीजन में एसीबी अलवर प्रथम चौकी प्रभारी शब्बीर खान, उप अधीक्षक पुलिस के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपित कर्मचारी संदीप को परिवादी से 25 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

स्क्रैप गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का स्क्रैपर जला।

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। शहर के तेली रोड स्थित गली नंबर 6 में एक स्क्रैप गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा तफरी का माहौल हो गया। आग इतनी विकराल थी कि इसकी ऊंची-ऊंची लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोदाम में रखा रबर और प्लास्टिक का भारी मात्रा में माल आग की चपेट में आ गया, जो देखते ही देखते पूरी तरह जलकर खाक हो गया। इस हादसे में लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हो गए और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। वहीं सूचना पर नगर पालिका की दमकल टीम और पुलिस थाना अधिकारी शंभू दयाल मीणा भी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों और आमजन के सहयोग से करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्राथमिक रूप से शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

प्रभारी मंत्री के समक्ष गूंजी माली समाज की आवाज

छात्रावास से लेकर महात्मा फुले की प्रतिमा तक उठी बड़ी मांगें

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत बुधवार को ग्राम रथ अभियान के तहत जिलेभर के दौरे पर रहे। इसी क्रम में कायस्थपुरा गांव में आयोजित रात्रिकालीन चौपाल के बाद उन्होंने माली सैनी समाज संस्था झुंझुनू के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री के आवास पर आयोजित विशेष डिनर कार्यक्रम में शिरकत की, जहां समाज के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए नागरिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस अवसर पर माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक राजेन्द्र भांम्बू तथा जिला कलेक्टर अरुण गर्ग के समक्ष समाज से जुड़ी वर्षों पुरानी महत्वपूर्ण मांगों को मजबूती से रखा।

छात्रावास के लिए भूमि आवंटन की पुरजोर मांग

महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि जिले में माली समाज के विद्यार्थियों की शिक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए छात्रावास निर्माण के लिए भूमि आवंटन की मांग लंबे समय से लंबित है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की ताकि ग्रामीण अंचलों से आने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें।

महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के नाम पर हो सर्किल का नामकरण

कार्यक्रम में समाज की ओर से जिला मुख्यालय पर स्थित किसी प्रमुख सर्किल का नाम समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के नाम पर रखने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। समाज के लोगों ने कहा कि महात्मा फुले दंपति ने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समानता के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया, ऐसे में उनके नाम पर सार्वजनिक स्थल का नामकरण नई पीढ़ी को प्रेरणा देगा।

प्रतिमा स्थापना के लिए भूखंड आवंटन की मांग

इसके साथ ही जिला मुख्यालय पर महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूखंड आवंटित करने की मांग भी रखी गई। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह प्रतिमा सामाजिक चेतना, शिक्षा और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

समाज की एकजुटता ने खींचा सबका ध्यान-डिनर कार्यक्रम के दौरान माली सैनी समाज की एकजुटता और सामाजिक सक्रियता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने समाज हित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करते हुए सरकार से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई। वहीं प्रभारी मंत्री

अविनाश गहलोत ने समाज की भावनाओं को गंभीरता से सुनते हुए मांगों पर सकारात्मक विचार करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर परिवार के सदस्य वरिष्ठ अध्यापक रंगलाल सैनी, रेंजर अमित सैनी, अंकुर सैनी, सुनीता सैनी, अनिता सैनी, सपना सैनी, भाविका, मयंक के साथ मंत्री ने फोटो सूट किए। मंत्री के साथ एसपी कविन्द्र सिंह सागर, पीआरओ हिमांशु सिंह, भाजपा नेता विश्वभर पूनियां, माली सैनी समाज संस्था झुंझुनू के संरक्षक मुरारी सैनी, मीडिया प्रभारी नरेश बगड़, चिड़ावा के निवर्तमान प्रधान रोहिताश्व धांगड़, जयकरण सैनी, डीपी सैनी, सरपंच रमेश सैनी, पूर्व सरपंच मूलचंद सैनी पौंख, अशोक सैनी नानू वाली बावड़ी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य रूडमल सैनी, एडवोकेट सतीश सैनी, पूर्व सरपंच मुकेश पातुसरी, समाज कल्याण अधिकारी पवन पूनिया, दीपेश सैनी, मुकेश सैनी सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं परिवार जन उपस्थित थे।

हरित गौशाला अभियान बना मिसाल

निसं

बुगाला (नवयत्न)। बाबा सुन्दरदास गोपाल गौशाला जाखल आज केवल गौसेवा ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की भी एक प्रेरणादायी मिसाल बन चुकी है। गोशाला परिसर में पिछले दो वर्षों से लगातार पौधरोपण और उनकी देखरेख के परिणामस्वरूप आज करीब एक हजार पौधे लहलहा रहे हैं। खास बात यह है कि इनमें से सैकड़ों पौधे गौवंश के बीच खड़े हैं, जिनका संरक्षण और पालन-पोषण अपने आप में एक बड़ी चुनौती माना जाता है। गोशाला कार्यकारिणी और प्रबंधन समिति द्वारा हर मौसम में इन पौधों की नियमित सार-संभाल की जाती रही है। भीषण गर्मी, पानी की कमी और खुले वातावरण जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद पौधों को सुरक्षित रखने के लिए लगातार प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप आज गोशाला परिसर हरियाली से आच्छादित नजर आता है। हरे-भरे पेड़ न केवल वातावरण को शुद्ध बना रहे हैं बल्कि गौवंश को भी छाया और ठंडक प्रदान कर रहे हैं। गोशाला अध्यक्ष प्रताप सिंह मूंड ने बताया कि प्रारंभ से ही पौधों की देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा था लेकिन गर्मी बढ़ने के साथ पानी की आवश्यकता भी लगातार बढ़ रही थी। ऐसे समय में भामाशाह श्यामसुंदर सौंथलिया द्वारा पानी का टैंकर भेंट किया जाना गोशाला के लिए बड़ी राहत साबित हुआ है। अब टैंकर के माध्यम से पौधों तक नियमित और पर्याप्त पानी पहुंचाया जा रहा है, जिससे भीषण गर्मी में भी सभी पेड़-पौधे हरे-भरे बने हुए हैं। समिति सदस्यों ने बताया कि गोशाला में विकसित हो रही यह हरियाली सामूहिक प्रयासों और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों के सहयोग से ऐसे जनहित और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को नई मजबूती मिलती है।

एसडीएम ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

निसं

तारानगर (नवयत्न)। उपखंड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय पूनरास का गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शानदार व्यवस्था, साफसफाई और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को देखकर उपखंड अधिकारी ने विद्यालय व शिक्षकों की बहुत ही सराहना की। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बबलेश शर्मा ने उपखंड अधिकारी को बताया कि विद्यालय में अनिल कसवां और वीरेंद्र सिंह दो ही अध्यापक हैं और सिर्फ दो का स्टाफ होने पर भी इन्होंने एक जज्बे के साथ खुद की मेहनत की कमाई से इस विद्यालय में शानदार रंग रोगन और हर कक्षा कक्ष में पेंटिंग करवा कर विद्यालय का जीर्णोद्धार करवाया है। उपखंड अधिकारी ने सभी कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से शैक्षणिक जानकारियां ली और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर से भी बहुत संतुष्ट नजर आए और ब्लॉक के दूसरे विद्यालयों को भी इन जैसे अध्यापकों से प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने बताया कि शिक्षक की मूल परिभाषा को इन दोनों शिक्षकों ने चरितार्थ की है। बाद में उपखण्ड अधिकारी ने दोनों शिक्षकों का माल्यार्पण कर सम्मान किया और अच्छा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान पीईईओ देवाराम नैन भी साथ रहे।

निजी स्कूल के खिलाफ धरना जारी

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय पंचायत समिति परिसर में स्थित सीबीईओ कार्यालय के बाहर अभिभावक बाबूलाल मेघवाल का धरना लगातार 11 वें दिन गुरुवार को भी जारी रहा। बाबूलाल मेघवाल ने बताया कि मोदी पब्लिक स्कूल के मैनेजमेंट द्वारा आर टी ई के अभ्यर्थियों से किताबों के नाम पर अवैध वसूली की गई। जिसके खिलाफ धरना दिया जा रहा है। धरने पर कामरेड जगदीश नाथ, मनोज खटीक, राजेंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

आरटीई दाखिला विवाद : शिक्षा संकुल पर अभिभावकों ने किया विरोध-प्रदर्शन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शिक्षा का अधिकार आरटीई अधिनियम के तहत सत्र 2026-27 में चयनित करीब 1.90 लाख बच्चों को 50 दिन से अधिक समय बीतने के बावजूद निजी स्कूलों में प्रवेश नहीं मिलने से नाराज अभिभावकों ने गुरुवार को शिक्षा संकुल के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। संयुक्त अभिभावक संघ के नेतृत्व में अभिभावक और विद्यार्थी भीषण गर्मी के बीच शिक्षा संकुल के मुख्य द्वार पर जुटे और सरकार, शिक्षा विभाग तथा निजी स्कूलों के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने शिशक्षा का अधिकार दो, नहीं तो इस्तीफा दो और निजी स्कूलों की मनमानी बंद करो जैसे नारे लगाते हुए संयुक्त शिक्षा निदेशक मंजू शर्मा को शिक्षा निदेशक सीताराम जाट के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू, मनोज बडजात्या, इमरान कुरैशी, पंडित लोकेश शर्मा, सत्यनारायण नामा, मोहम्मद जफर सहित बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के साथ मौजूद रहे। संघ ने आरोप लगाया कि आरटीई कानून केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। निजी स्कूल चयनित बच्चों को प्रवेश देने में आनाकानी कर रहे हैं और अतिरिक्त दस्तावेज व फीस की मांग कर रहे हैं, जबकि शिक्षा विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने कहा कि सरकार और शिक्षा विभाग की उदासीनता गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तो बच्चों को प्रवेश क्यों नहीं दिया जा रहा। प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने आरोप लगाया कि सरकार, शिक्षा विभाग और निजी स्कूलों की मिलीभगत के कारण बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सभी चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिला तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन और जवाबदेही अभियान चलाया जाएगा। संघ ने मांग की कि सभी चयनित बच्चों को तत्काल प्रवेश दिलाया जाए, नियमों की अवहेलना करने वाले निजी स्कूलों पर कार्रवाई हो तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। संयुक्त अभिभावक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 10 दिनों में दाखिले नहीं हुए तो शिक्षा संकुल के बाहर आमरण अनशन शुरू किया जाएगा और प्रदेशभर में बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा।

खुले नाले में गिरा सांड, लोगों ने निकाला बाहर

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय वार्ड नंबर 18 में नाले में सांड गिर गया। मोहल्लेवासियों ने एकजुट होकर गौवंश को सुरक्षित निकाला। मोहलेवासियो के अनुसार गौवंश अचानक असंतुलित होकर नाले में गिर गया था।

नाला गहरा होने के कारण सांड खुद बाहर निकलने में पूरी तरह असमर्थ था और लगातार छटपटा रहा था। गौवंश के गिरने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए। भारी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों विक्रम सिंह चोबदार, पिंकी सैनी, कमल बागड़ी, केशव, नीतीश आदि ने बाहर निकाला।

विहिप की बैठक आयोजित

बाबूलाल शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। विश्व हिंदू परिषद की बैठक बीबासरिया गेस्ट हाउस में प्रान्त धर्माचार्य सह संपर्क प्रमुख रामानंद पाठक के सानिध्य, जिलाध्यक्ष विनोद सिंघानिया की अध्यक्षता में अयोजित की गई। बैठक में 15 से 22 मई 2026 को झुंझुनू में दुर्गावाहिनी का वर्ग आयोजित किया जाएगा, बजरंग दल का वर्ग 21 मई से 28 मई निवाई टोंक, विश्व हिंदू परिषद का वर्ग 31 मई से 10 जून 2026 तक मेहंदीपुर बालाजी में आयोजित किया जाएगा। जिसमे ज्यादा ज्यादा कार्यकर्ताओ को वर्ग में करवाने के लिये प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें नगर अध्यक्ष रतन लाल शर्मा, नगर मंत्री नरेंद्र सिंह शेखावत, नगर सह उपाध्यक्ष नीलेश केजरीवाल, सुनील मोरवाल, नगर सह मंत्री मोहित अग्रवाल को दायित्व दिया गया। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र केडिया, जिला सह मंत्री मनोज कुमार सैनी, जिला सह संयोजक अशोक कुमावत आदि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

उपजिला अस्पताल में आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए हुई मॉकड्रिल

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी कस्बे के राजकीय उप जिला अस्पताल में गुरुवार को आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए से अस्पताल प्रबंधन की ओर से माकड्रिल की गई। इस दौरान बढ़ते अस्पताल में किसी प्रकार की घटना होने पर कैसे तुरंत समाधान किया जाए, इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। अस्पताल के पुरूष वार्ड रुम को विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस दौरान मार्क ड्रिल करते हुए पीएमओ डॉ अक्षय कुमार शर्मा ने कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए है। अस्पताल के इमरजेंसी, जनरल वार्ड की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया है। मॉक ड्रिल के दौरान नर्सिंग आफिसर प्रमोद ने वार्ड में आग लगने की सूचना दी गई। इस दौरान नर्सिंग आफिसर अनिल कुमार व राजवीर फायर सैफ्टी उपकरण लेकर पुरूष वार्ड में मौके पर पहुंचे। सबसे पहले आग पर काबू पाया गया तथा अन्य कर्मचारियों ने वार्ड में भर्ती मरीजों को तुरंत दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया गया। पीएमओ डॉ अक्षय कुमार शर्मा ने बताया कि मई व जून के महीने में तेज गर्मी के दौरान सुबह दस बजे बाद गर्म हवा के थपेड़े शुरू हो जाते हैं। इससे लोग डिहाइड्रेशन के शिकार हो जाते है।

आने वाले दिनों में हीट वेव के प्रभाव से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा तापमान में बढ़ोतरी होने से आगजनी की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो जाती है। इस दौरान उन्होंने आमजन से गर्मी में अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं घूमने, धूप से बचाव करने तथा किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तुरंत अस्पताल पहुंचकर उपचार करवाने की अपील की। मौके पर नर्सिंग ऑफिसर प्रथम विजयपाल सैनी, अनिल कुमार, राजवीर भरगड़, सतीश मान, मंजू यादव, विकास जांगिड़ सहित अनेक कर्मचारी मौजूद थे।

एआईजीईटीओए राजस्थान की 5वीं सर्किल कॉफ्रेंस में हुई नई कार्यकारिणी घोषित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ऑल इंडिया ग्रेजुएट इंजीनियर्स एंड टेलीकॉम ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईजीईटीओए) राजस्थान चैप्टर की 5वीं सर्किल कॉफ्रेंस एवं वार्षिक आम सभा का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में दूरसंचार कर्मचारियों के हितों, संगठन को मजबूत बनाने और बीएसएनएल के सशक्तिकरण को लेकर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान टेलीकॉम सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय रहे। विशिष्ट अतिथियों में गोविंद सिंघल, एआईजीईटीओ, मुख्यालय से सुनील गौतम तथा कमलेश देव उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम का संचालन प्रवीण कुमार शर्मा ने किया। कार्यक्रम संचालन प्रवीण कुमार शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए विजय कुमार को सर्किल प्रेसिडेंट प्रवीण कुमार शर्मा को सर्किल सेक्रेटरी तथा राजीव जैन को सर्किल फाइनेंस सेक्रेटरी नियुक्त किया गया। वहीं रेखा शर्मा को वाइस प्रेसिडेंट-1 और राकेश पायल को वाइस प्रेसिडेंट-2 बनाया गया। सहायक सर्किल सचिव पद पर वंश खन्ना, आरडी मीणा, श्याम सुंदर सैनी, दिनेश नागर, विजय सिंह भाटी और दिनेश मेघवाल को मनोनीत किया गया। इसके अलावा पीएन शर्मा को चीफ मेंटर, नरेंद्र सिंह राठौड़ को संगठन सचिव-1, लोकेन्द्र गुप्ता को संगठन सचिव-2 और अक्षय कुमार मीणा को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा और बीएसएनएल को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया जाएगा।

दर्द से सटीकता तक : रोबोटिक सर्जरी द्वारा अब पित्त की पथरी के इलाज

निसं

जयपुर (नवयत्न)। 45 वर्ष सुनीता, स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सक्रिय और जागरूक रही थी। लेकिन पिछले कुछ महीनों से उन्हें एक असहजता महसूस होने लगी खासकर तैलीय या मसालेदार भोजन के बाद पेट के ऊपरी हिस्से में भारीपन। शुरुआत में उन्होंने इसे नजरअंदाज किया। उन्होंने सोचा यह तो सिर्फअपच है। लेकिन एक रात दर्द असहनीय हो गया।

शुरुआती संकेत: पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में दर्द शुरू हुआ और धीरे-धीरे पीठ और दाहिने कंधे तक फैल गया। यह तेज असहनीय दर्द था, जिसके साथ मतली भी हो रही थी। सुनीता याद करती हैं- मैं बैठ भी नहीं पा रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे अंदर कुछ जकड़ रहा हो, चिंतित परिवार उन्हें तुरंत इटर्नल हॉस्पिटल, जयपुर लेकर गया, जहां उन्होंने जीआई सर्जन डॉ कपिलेश्वर विजय से परामर्श लिया। अल्ट्रासाउंड जांच में पता चला कि उन्हें पित्त की पथरी (गॉलब्लैडर स्टोन्स) हैं।

डॉक्टर ने समझाया: पित्त की पथरी (कोलेलिथियासिस) एक आम समस्या है, खासकर उत्तर भारत में जहां यह लगभग 4-6 प्रतिशत वयस्कों को प्रभावित करती है। ये पथरियां पित्त से बनने वाले ठोस कण होते हैं, जो अक्सर कोलेस्ट्रॉल से बनते हैं। कुछ लोग इन पथरियों के साथ बिना किसी लक्षण के वर्षों तक रह सकते हैं लेकिन सुनीता के मामले में ये समस्या पैदा करने लगी थीं।

जोखिम को समझना: जोखिम के कई कारक मौजूद थे, महिला होना, 40 वर्ष से अधिक आयु, थोड़ा अधिक वजन, तैलीय भोजन का अधिक सेवन।

डॉक्टर ने चेतावनी दी: यदि समय पर इलाज न किया जाए तो पित्त की पथरी संक्रमण, मवाद बनने, पीलिया या अग्नाशयशोथ (पैंक्रियाटाइटिस) जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है।

इलाज का निर्णय: सबसे प्रभावी उपचार है-पित्ताशय को हटाना (कोलेसिस्टेक्टॉमी) जो परंपरागत रूप से लैप्रोस्कोपिक सर्जरी द्वारा किया जाता है। यह एक सुरक्षित और व्यापक रूप से अपनाया गया तरीका है। लेकिन डॉक्टर ने एक और उन्नत विकल्प सुझाया- रोबोटिक-सहायता प्राप्त कोलेसिस्टेक्टॉमी। थोड़ी घबराहट के साथ सुनीता ने पूछा रोबोटिक सर्जरी में क्या अलग है ? डॉ कपिलेश्वर ने समझाया कि रोबोटिक आर्म्स के माध्यम से अधिक सटीकता, जो मानव कलाई से भी अधिक लचीलापन देती हैं हाई-डेफिनिशन विजन और बेहतर दृश्यता, फ्लोरेसेंस जैसी उन्नत तकनीक से बाइल डक्ट की स्पष्ट पहचान, छोटे चीरे, जिससे बेहतर कॉस्मेटिक परिणाम और हर्निया का कम जोखिम। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सर्जरी डॉक्टर ही करते हैं, रोबोट केवल उनकी क्षमता को बढ़ाता है।

सर्जरी और रिकवरी: सुनीता की रोबोटिक कोलेसिस्टेक्टॉमी दा विंची सर्जिकल सिस्टम की सहायता से की गई। सर्जरी सफल रही, कम दर्द, छोटे निशान और जल्दी छुट्टी। मैं उसी दिन चलने लगी और उम्मीद से कहीं जल्दी सामान्य जीवन में लौट आईए वह मुस्कुराते हुए कहती हैं।

समय पर इलाज क्यों जरूरी है: हालांकि पित्ताशय का कैंसर सीधे तौर पर पित्त की पथरी से जुड़ा नहीं है लेकिन नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के शोध के अनुसार उत्तर भारत जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बिना लक्षण वाली पथरियों के लिए भी प्रोफिलैक्टिक कोलेसिस्टेक्टॉमी (पहले से पित्ताशय हटाना) पर विचार किया जा सकता है, ताकि कैंसर के खतरे को कम किया जा सके।

सुनीता का संदेश: भोजन के बाद होने वाले पेट दर्द या असहजता को नजरअंदाज न करें। जो आपको सामान्य एसिडिटी लगता है, वह कुछ गंभीर भी हो सकता है।

हिंदुस्तान जिंक डाउ जोन्स बेस्ट-इन-क्लास इंडेक्स 2026 में शामिल

विश्व की सबसे सस्टेनेबल माइनिंग कंपनी बनी

निसं

उदयपुर (नवयत्न)। विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और चांदी के शीर्ष वैश्विक उत्पादकों में शामिल हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड को पहली बार उभरते बाजारों के लिए डाउ जोन्स बेस्ट-इन-क्लास इंडेक्स में शामिल किया गया है। यह मील का पत्थर कंपनी को पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस, ईएसजी के क्षेत्र में दुनिया की चुनिंदा दिग्गज कंपनियों की श्रेणी में खड़ा करता है। डाउ जोन्स का यह इंडेक्स उन कंपनियों को ट्रैक करता है जो आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाती हैं। यह निवेशकों को यह समझने में मदद करता है कि कौन सी कंपनी भविष्य के लिए तैयार और सुरक्षित है।

यह लंबी अवधि के आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक मानदंडों के आधार पर अग्रणी कंपनियों पर नजर रखता है और निवेशकों को विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में सस्टेनेबिलिटी प्रदर्शन का एक पारदर्शी दृष्टिकोण प्रदान करता है। इस उपलब्धि पर हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा किए यह मान्यता दर्शाती है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था में धातुओं की भूमिका बदल रही है। हमारा मानना है कि खनन का अगला दौर केवल उत्पादन की क्षमता से नहीं बल्कि जिम्मेदारी और पारदर्शिता से पहचाना जाएगा। हमारे लिए सस्टेनेबिलिटी केवल एक लक्ष्य नहीं बल्कि हमारे बिजनेस की नींव है। जैसे-जैसे दुनिया अधिक संसाधन-सचेत भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है, हम जिम्मेदार उत्पादन में नए मानक स्थापित करने, मजबूत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में योगदान देने, हम भारत को जिम्मेदारी से उत्पादित धातुओं के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2026 के डॉव जोन्स बेस्ट-इन-क्लास इंडेक्स में हिन्दुस्तान जिंक का शामिल होना, मेटल्स और माइनिंग उद्योग में शीर्ष वैश्विक कंपनियों के बीच उसकी स्थिति को दर्शाता है। यह साबित करता है कि कंपनी की सस्टेनेबिलिटी प्रथाएं अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के अनुरूप हैं और क्षेत्रीय मानकों से कहीं आगे हैं। 31 मार्च 2026 तक डीजेबीआईसी इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में भारत की सिर्फ 25 कंपनियाँ शामिल हैं, जिनमें वेदांता लिमिटेड और हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ही भारत के मेटल्स और माइनिंग सेक्टर से एकमात्र प्रतिनिधि हैं। यह जिम्मेदार संसाधन उत्पादन एवं सस्टेनेबल माइनिंग में हिन्दुस्तान जिंक की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को दिखाता है। वेदांता ग्रुप की कंपनी, हिन्दुस्तान जिंक को एसएण्डपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2025 द्वारा मेटल्स और माइनिंग सेक्टर में विश्व की सबसे सस्टेनेबल का दर्जा दिया गया है और यह इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स में शामिल होने वाली पहली भारतीय माइनिंग कंपनी है। कंपनी ने अपना उत्पाद ईकोजेन भी लॉन्च किया है जो एशिया का पहला कम कार्बन वाला जिंक उत्पाद है जिसे रिन्यूएबल एनर्जी से बनाया गया है, यह पारंपरिक जिंक की तुलना में 75 प्रतिशत से अधिक कम कार्बन तीव्रता देता है और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग में नए मानक स्थापित करता है। इसके साथ ही हिन्दुस्तान जिंक एक सर्टिफाइड 3.32 गुना वॉटर पॉजिटिव कंपनी है एवं कंपनी ने 2050 तक या उससे पहले नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। डॉव जोन्स बेस्ट इन क्लास इंडेक्स में शामिल होने के साथए हिन्दुस्तान जिंक एक ईएसजी-फर्स्ट संगठन के तौर पर अपनी वैश्विक स्थिति को और मजबूत करती है और यह दिखाती है कि किस प्रकार जिम्मेदार संसाधन उत्पादन, मजबूत शासन और इनोवेशन सस्टेनेबल प्रगति को आगे बढ़ा सकते हैं।

विधायक ने एनसीसी कैडेट्स का बढ़ाया उत्साह

निसं

रींगस (नवयत्न)। 3 राज बटालियन द्वारा आयोजित एनसीसी प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन गुरुवार को शिविर परिसर में प्रेरणादायी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खंडेला विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुभाष मील ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कैडेट्स को संबोधित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य, जीवन में अनुशासन के महत्व एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कैडेट्स को राष्ट्र सेवा, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार महेश ओला ने भी शिविर में पहुंचकर कैडेट्स से संवाद किया तथा उनके प्रशिक्षण और अनुशासन की सराहना की। शिविर में कुल 507 कैडेट्स, 15 पीआई स्टाफ, 6 एएनओ तथा 4 जीसीए उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जेएस लाम्बा, सेना मेडल द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने एनसीसी के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं नेतृत्व विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान 3 राज बटालियन एनसीसी सीकर के कमांडिंग ऑफिसर एवं टैगोर ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिह्न एवं शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में चेयरमैन प्रदीप कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, अधिकारियों, स्टाफ एवं कैडेट्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गीत एवं भारत माता की जय के गगनभेदी नारों के साथ उत्साहपूर्वक हुआ।

लाडनूं को स्वच्छता में टॉप बनाने की दिशा में प्रयास तेज

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026-27 को ध्यान में रखते हुए शहर को जिले में अग्रणी रखने का प्रयास किया जा रहा है। शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए नगरपालिका प्रशासन द्वारा व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। शहर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, सरकारी विद्यालयों, राजकीय अस्पतालों, मंदिर, मस्जिदों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्रित करने के उद्देश्य से डस्टबिन लगवाए जा रहे हैं।

एसडीएम ने किया अभियान का शुभारंभ

स्वच्छता अभियान का शुभारंभ गुरुवार को उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा, तहसीलदार अनिरुद्ध पांडे एवं अधिशाषी अधिकारी हरेंद्र सिंह चौधरी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अधिकारियों ने इस पहल को शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम कदम बताया। ईओ हरेंद्र सिंह चौधरी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे स्वच्छता ऐप डाउनलोड कर उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं और शहर को स्वच्छता रैंकिंग में आगे लाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग, प्रेरणादायक स्लोगन लिखवाए जा रहे हैं, जिससे आमजन में जागरूकता बढ़ेगी। इसके साथ ही सामुदायिक शौचालयों, पब्लिक टॉयलेट एवं यूरिनल की मरम्मत और सौंदर्यकरण का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा शहर के डंपिंग यार्ड के चारों ओर फेंसिंग एवं दीवार निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है, जिससे कचरा प्रबंधन अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित हो सकेगा।

बच्चों के संस्कार निर्माण और सर्वांगीण विकास पर जोर

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। अणुव्रत समिति लाडनूं की महत्वपूर्ण बैठक अणुव्रत भवन में आयोजित हुई। बैठक में बच्चों के संस्कार निर्माण, व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतापसिंह दूगड़ तथा किड्जोन के राष्ट्रीय प्रभारी चमन दूधोड़िया उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रतापसिंह दूगड़ ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए, किड्जोन एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने बताया कि बच्चों को खेल-खेल में नैतिक मूल्यों एवं व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय समिति के अध्यक्ष शांतिलाल बैद ने की। उन्होंने अणुव्रत समिति के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए बच्चों और युवाओं में संस्कारों का विकास अत्यंत आवश्यक है। शिविर के माध्यम से बच्चों और युवाओं को मोबाइल के दुष्परिणाम व डिजिटल डिटाक्स के साथ नैतिक शिक्षा, व्यक्तित्व विकास तथा संस्कार निर्माण से जोड़ने की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ वीरेन्द्र भाटी मंगल, उपाध्यक्ष प्रकाश सुराणा, वरिष्ठ सदस्य पुरुषोत्तम सोनी, मंत्री राज कोचर, प्रेमलता बैद, नवीन नाहटा, सपना जैन भंसाली, राधेश्याम शर्मा, कमला चौरड़िया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मंत्री कुमावत के जन्मदिन पर लगाया कैंप

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। पशु चिकित्सक संघ के आह्वान पर जिला चूरू के तत्वाधान में पशुपालन विभाग के द्वारा पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिन को गौसेवा संकल्प दिवस के रूप में एक दिवसीय निःशुल्क पशु चिकित्सा उपचार एवं बांझपन निवारण शिविर का आयोजन कर मनाया गया। गोपाल कृष्ण गौशाला मलसीसर चूरू में डॉ भंवर सिंह सेवदा के निर्देशन में आयोजित कैंप का मुख्य उद्देश्य बांझ गोवंश का उपचार कर प्रजनन योग्य बनाना रहा। डॉ सेवदा ने बताया कि 150 से अधिक गोवंश को पेट के कीड़े की दवाई दी गई और बीमार पड़े पशुओं का इलाज किया। साथ ही एफएमडी टीकाकरण किया गया और जू चिचड़ा की दवा का वितरण किया गया। डॉ सेवदा ने गर्मियों के मद्देनजर गोवंश को धूप से बचाने के लिए छांव और पानी की विशेष व्यवस्था करने को कहा गया।

सामुदायिक अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आलम

चारदीवारी व पानी की कोई व्यवस्था नहीं, आनन फानन में कर दिया नए भवन में स्थानांतरित

निसं

सिंघाना (नवयत्न)। सिंघाना के सामुदायिक अस्पताल को नए भवन में संचालित तो कर दिया गया लेकिन यहां अब भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। अस्पताल परिसर में चारदीवारी नहीं होने से सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है, वहीं पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की ओर से सिंघाना के सामुदायिक अस्पताल के लिए औद्योगिक क्षेत्र के पास नया भवन बनाया है। अस्पताल के अभी तक चार दीवारी व पानी के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। वर्तमान में अस्पताल मुख्य बाजार स्थित धर्मशाला में संचालित किया जा रहा था, जहां भीड़भाड़ अधिक होने के कारण व अस्पताल परिसर में विस्तार नहीं होने से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नया भवन बनने के बाद भी अस्पताल में आने वाले लोगों को बेहतर उपचार के साथ सुविधाएं का दर्द भी मिल रहा है। बुहाना प्रधान हरिकृष्ण यादव, पालिका अध्यक्ष विजय कुमार पांडे का कहना है कि अस्पताल को आनन-फानन में नए भवन में शिफ्ट कर दिया गया जबकि भवन में कई जरूरी कार्य अधूरे पड़े हैं। अस्पताल परिसर खुला होने के कारण आवारा पशु भी अंदर तक पहुंच जाते हैं, जिससे स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है। रात के समय सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। वहीं पानी की कमी के चलते अस्पताल में भर्ती मरीजों, स्टाफ और आने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार बाहर से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग ने बिना पर्याप्त तैयारियों के अस्पताल संचालन शुरू कर दिया। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से जल्द चारदीवारी निर्माण, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, ऐसे में सुविधाओं की कमी गंभीर समस्या बनती जा रही है।

अस्पताल भवन में चोरी होने के बाद भी सुरक्षा भगवान भरोसे

रिको एरिया में राज्य सरकार द्वारा अस्पताल का नया भवन बनाए जाने के बाद भी सुरक्षा के कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। मार्च माह में अज्ञात लोगों ने सीएचसी भवन में घुसकर कमरों के ताले तोड़कर बिजली के बोर्ड, एमसीबी, वायरिंग एवं अन्य फिटिंग्स को चोरी कर ले गया। ग्रामीणों ने बताया कि इस घटना से न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है बल्कि स्वास्थ्य केंद्र के सुचारू संचालन पर भी असर पड़ने की आशंका है चोरों ने सीएचसी भवन में तोड़फोड़ व चोरी की वारदात की घटना को अंजाम दिया था। इसके बावजूद भी चारदीवारी का निर्माण न करवाया गया। अस्पताल भवन पहाड़ी से सटा हुआ है तथा उसके पास जंगली एरिया भी है।

पांडुलिपि संरक्षण कार्यशाला में 250 वर्ष पुरानी शुश्रुत संहिता बनी आकर्षण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के आयुर्वेद पाण्डुलिपि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित पांडुलिपियों के संरक्षण एवं परिरक्षण विषयक चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का गुरुवार को समापन हुआ। कार्यशाला में देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षकों और पांडुलिपि विशेषज्ञों ने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी अमूल्य धरोहरों के संरक्षण, रिस्टोरेशन और डिजिटलीकरण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यशाला में ताड़पत्र, भोजपत्र, हस्तनिर्मित कागज, धातु एवं चित्रित पांडुलिपियों के वैज्ञानिक संरक्षण, सतही सफाई, रिपेयरिंग, इंक रिस्टोरेशन, तापमान एवं आर्द्रता नियंत्रण तथा सुरक्षित भंडारण की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान करीब 250 वर्ष पुरानी शुश्रुत संहिता पांडुलिपि विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्राचीन ओड़िया लिपि और संस्कृत-ओड़िया मिश्रित भाषा में लिखित इस पांडुलिपि के संरक्षण और परीक्षण की वैज्ञानिक प्रक्रिया का विशेषज्ञों ने लाइव प्रदर्शन किया। समापन सत्र में कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि भारतीय पांडुलिपियां हमारी वैज्ञानिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का कार्य है। विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला के नोडल अधिकारी प्रो. असित कुमार पाञ्जा ने कहा कि यह कार्यशाला भारतीय ज्ञान धरोहरों के संरक्षण का राष्ट्रीय अभियान है।

इसमें पांडुलिपियों की रिपेयरिंग, डिजास्टर मैनेजमेंट, सूचीकरण और डिजिटलीकरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में ज्ञानभारतम् और राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन से जुड़े विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

भारती दीदी ने बताया आत्मा और परमात्मा का सत्य स्वरूप

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ब्रह्माकुमारीज के पीस पैलेस सेवाकेंद्र में आयोजित सप्ताह भर के श्रीमद् भागवत गीता सार कार्यक्रम के तीसरे दिन कथावाचक भारती दीदी ने आत्मा और परमात्मा के सत्य स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शरीर के दर्द को आंखों से नहीं देखा जा सकता, उसी प्रकार आत्मा के गुणकुसुख, शांति और प्रेम को केवल महसूस किया जा सकता है। उन्होंने गीता के संदर्भ में कहा कि परमात्मा अजन्मा, अकर्ता और अभोगता हैं तथा निराकार शिव ही परमात्मा हैं, जो जीवन के संघर्षों से बाहर निकलने का मार्ग गीता उपदेश के माध्यम से बताते हैं। उन्होंने कहा कि सभी धर्मग्रंथों में परमात्मा की शिक्षाएं लगभग समान हैं लेकिन अज्ञानता के कारण समाज में संघर्ष और युद्ध की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा जो ग्रंथ को सही मायने में पढ़ता है, वह लड़ता नहीं। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से मानसिक शांति और आत्मिक शक्ति प्राप्त करने की विधि भी सिखाई गई। साथ ही प्रतिदिन सुबह 5:30 से 7 बजे तक कृष्णा पैराडाइज मैरिज गार्डन में म्यूजिकल एक्सरसाइज और तनावमुक्त शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मिलेट्स विकास निदेशालय भारत सरकार के निदेशक डॉ लक्ष्मण राम बुल्डक, तकनीकी अधिकारी अजय स्वामी, नेत्र विशेषज्ञ डॉ सुनील गुप्ता, पूर्व डीआईजी शंकर सिंह, रोटरी क्लब जयपुर से राजेश अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूपीएससी में चयन होने पर प्रीति का ग्रामीणों ने किया सम्मान

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के रवां गांव की बेटी का यूपीएससी में चयन होने पर ग्रामीणों की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्यव्रत शास्त्री, विशिष्ट अतिथि एएसपी फूलचंद मीणा, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर थे जबकि अध्यक्षता पूर्व सरपंच रेखा जेवरिया ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में यूपीएससी चयनित प्रीति जेवरिया ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उनके इस सम्मान की वास्तविक सार्थकता तब होगी, जब गांव का कोई और युवा भी उच्च मुकाम हासिल करेगा और वह स्वयं एक आईपीएस अधिकारी के रूप में उसका सम्मान करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि वे सामान्य परिवार से निकलकर यहां तक पहुंची हैं और अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करेंगी, ताकि गांव के लोगों को उन पर गर्व हो। इस दौरान ने प्रीति की सफलता को ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो समाज और राष्ट्र के भविष्य को संवारती है। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रीति जेवरिया का गांव में आगमन घोड़ी पर बैठाकर डीजे और महिलाओं के मंगल गीतों के बीच अंबेडकर पार्क तक लाया गया। इस दौरान पूरे गांव में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। इस मौके पर एडवोकेट शिवकुमार जेवरिया, कैलाश कल्याण, विकास स्वामी, रमेश शर्मा, वीरेंद्र मीणा, हजारीलाल मीणा, लक्ष्मी नारायण मेहरा, अनिल, एएसआई महिपाल, एडवोकेट अनीता गुर्जर, पूर्व सरपंच रामनिवास गुर्जर, मोहर सिंह, सुरजीत खटोती, कृष्ण पोसवाल, नरोत्तम जांगिड़, रेवतराम कराना, प्रकाश सिहोडिया, काशीराम यादव, रोशन अवाना, शक्ति सिंह सहित अनेक लोग मौजूद थे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। कानोड़िया महाविद्यालय में नगरपालिका मुकुन्दगढ़ क्षेत्र के पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। जनगणना चार्ज अधिकारी रविन्द्र धनखड़ ने प्रशिक्षणार्थियों को निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम की पालना करते हुये प्रशिक्षण गंभीरता से प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया। फील्ड ट्रेनर राजेन्द्र झाझड़िया तथा नरेन्द्र कड़वासरा द्वारा पर्यवेक्षकों तथा प्रगणकों को जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अन्तर्गत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण तथा स्व जनगणना प्रतिक्रिया की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की गई। स्व-जनगणना हेतु पोर्टल के माध्यम से स्वम भी कर सकते है।

विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। रिजर्व पुलिस लाइन चांदपोल जयपुर में गुरुवार को इंटरनल हॉस्पिटल जवाहर सर्किल के सौजन्य से एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय राजेश कुमार कांवट ने बताया कि इस कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस कार्मिकों को डॉ अनिल कुमार शर्मा क्रिटिकल केयर व डॉ अनुराग गुप्ता इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी द्वारा सीपीआर, कार्डिक अरेस्ट तथा रेडियोलॉजी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कांवट ने बताया कि पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के दौरान होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे वेरिकोस वेन्स की परेशानियां, कार्डिक अरेस्ट की स्थिति में तुरंत दिये जाने वाले प्राथमिक उपचार, सीपीआर तकनीकी एवं आधुनिक रेडियोलॉजी सेवाओं के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 315 पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, अस्पताल प्रबंधन रिजर्व पुलिस लाइन में उपस्थित रहें।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय पार्थ शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, पुलिस लाइन लाखन सिंह मीणा, सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सरोज धायल एवं संचित निरीक्षक प्रथम सपना फलतापूर्वक करवाया।

मिश्र की पुण्यतिथि पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। नगर पालिका सीकर के प्रथम सभापति स्वतंत्रता सेनानी तथा शेखावाटी के मूर्धन्य विद्वान पंडित मन्मथ कुमार मिश्र की 24वीं पुण्यतिथि पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं परामर्श शिविर आयोजित हुआ। संस्था के संयोजक एडवोकेट हरीश मिश्रा ने बताया कि यह निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं परामर्श शिविर प्रतिवर्ष स्वर्गीय मिश्र की पुण्यतिथि पर आयोजित किया जाता है। आयोजित हुए शिविर में करीब 125 व्यक्तियों की नेत्र जांच की गई तथा पात्र व्यक्तियों को ऑपरेशन हेतु चिह्नित किया जाकर समयबद्ध चरण में रखा गया। नेत्र चिकित्सा शिविर में डॉक्टर नरेंद्र चौहान और उनकी टीम द्वारा सेवाएं दी गई चिह्नित व्यक्तियों का संस्था की ओर से डॉक्टर नरेंद्र चौहान ऑपरेशन करेंगे। संस्था के संयोजक एडवोकेट हरीश मिश्रा ने नेत्र शिविर आयोजित करने के पीछे एक रोचक जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्गीय पंडित मिश्र ने मरणोपरांत नेत्रदान करने की इच्छा जताई थी लेकिन उनके द्वारा लिखी गई डायरी को ना देखने की वजह से उनकी इच्छा पूरी नहीं की जा सकी। अब उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पुण्यतिथि पर नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित कर लोगों को रोशन देने का प्रयास किया जाता है।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर मनाया विजय उत्सव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर की ओर से गुरुवार को ईपी के मिराज हॉल में भव्य विजय उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर सामूहिक मूवी स्क्रीनिंग का आनंद लिया और इसके बाद विजय उत्सव मनाया। जयपुर शहर भाजपा जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्धन और परिवार भाव को मजबूत करने के उद्देश्य से यह विशेष आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में मिली जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, संगठन की रणनीति और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत और सिंदूर ऑपरेशन की सफलता को ऐतिहासिक बताया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान कई बार भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए। इसके बाद हाथों में पार्टी झंडे और तख्तियां लेकर रैली निकाली गई तथा आतिशबाजी कर खुशी मनाई गई। इस दौरान पारंपरिक झालमूड़ी का भी आयोजन किया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव में विशेष भूमिका निभाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, रवि नैयर, सोमकांत शर्मा और अशोक सैनी का दुपट्टा और पुष्प भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बालमुकुंद आचार्य, कुसुम यादव सहित जयपुर जिले के पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

राहत भरी खबर

यह केवल पश्चिम एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए राहत की बात है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के आसार बढ़ गए हैं। इसका संकेत इससे मिलता है कि जहां दोनों देश एक 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर रहे हैं, वहीं अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आपरेशन एपिक फ्यूरी नामक अपने सैन्य अभियान को समाप्त करने के साथ होर्मुज समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही के खिलाफ चलाए जा रहे आपरेशन फ्रीडम को भी रोकने की घोषणा की।

आपरेशन फ्रीडम के बाद भी जहाजों का आवागमन सुगम तो नहीं हो पाया था, लेकिन शायद ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी ने ईरान के नेतृत्व को अपना रवैया नरम करने को बाध्य किया। जो भी हो, जब तक दोनों पक्षों के बीच वास्तव में समझौता नहीं हो जाता, तब तक न तो पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की आशा की जा सकती है और न ही पूरी दुनिया को बुरी तरह प्रभावित कर रहे ऊर्जा संकट से मुक्ति की। ध्यान रहे कि अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की शांति वार्ता नाकाम हो गई थी और दूसरे दौर की वार्ता हो ही नहीं पाई थी। इसके बाद दोनों देश एक-दूसरे को धमकाने में जुट गए थे।

विश्व अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति की कितनी बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहा है, इसका पता इससे चलता है कि दोनों के बीच समझौते की दिशा में आगे बढ़ने की खबर आते ही तेल के दाम गिर गए और शेयर बाजारों में भी सकारात्मक असर दिखा। यदि किसी कारण दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता में ठोस प्रगति नहीं होती तो टकराव की आशंकाएं उभरने में देर नहीं लगेगी।

ऐसा न हो, इसके लिए जहां अमेरिका को सब कुछ अपने मन मुताबिक होने की अपेक्षा का परित्याग करना होगा, वहीं ईरान को भी अपना यह हठ छोड़ना होगा कि परमाणु मसले पर कोई समझौता नहीं हो सकता और होर्मुज पर उसका अधिकार होना चाहिए। ईरान कुछ भी कहे, उसे न तो परमाणु हथियार बनाने की अनुमति दी जा सकती है और न ही इसकी कि वह होर्मुज को अपनी निजी जागीर माने। यदि ईरान चैन से रहने के साथ औरों को भी चैन से रहने देना चाहता है तो उसे इजरायल के लिए खतरा बने हमास, हिजबुल्ला जैसे आतंकी गुटों को सहयोग-समर्थन देने से पीछे हटना होगा। उसे इस्लामी जगत का अगुआ बनने की मानसिकता भी छोड़नी होगी, क्योंकि खाड़ी देश पश्चिम एशिया में उसके दबदबे को कभी स्वीकार नहीं करने वाले। ईरान आज जिस स्थिति में है और विशेष रूप से जिस प्रकार यह जानना कठिन है कि वहां वास्तविक नेतृत्व किसके हाथ में है, तब तक न तो अमेरिका उससे समझौते के लिए बहुत आशान्वित हो सकता है और न ही विश्व। वैसे अंततः किसी बातचीत से ही रास्ता निकलेगा। अच्छा होता कि अमेरिका इसे समय रहते समझता और ईरान से वार्ता का क्रम तोड़कर उस पर हमला करने से बचता।

विशेष आलेख

तेजाब और पितृसत्ता के बीच संघर्ष करती स्त्री

एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं।

हाल ही में देश के शीर्ष न्यायालय ने 'शाहीन मलिक बनाम भारत संघ' मामले में एसिड अटैक के संबंध में मौजूदा कानूनों के तहत तेजाब हमलों से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने माना कि ऐसे अपराधों के लिए निर्धारित दंड पर्याप्त नहीं हैं तथा कई पीड़ित अब भी उचित कानूनी पहचान और सहायता से वंचित हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों की भी समीक्षा की। अदालत ने पाया कि अधिनियम की वर्तमान अनुसूची में तेजाब हमले के पीड़ितों को केवल उन व्यक्तियों तक सीमित रखा गया है जो 'एसिड या इसी तरह के संहारक पदार्थ फेंकने से हुए हिंसक हमलों के कारण विकृत हो गए हैं।' न्यायालय ने केंद्र सरकार से अनुसूची में संशोधन कर ऐसे मामलों को शामिल करने पर विचार करने को कहा।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, 'यदि इस संशोधन को अधिसूचित किया जाता है तो हम इसकी सराहना करेंगे।' यही नहीं पीठ ने तेजाब की सहज उपलब्धता और उसकी अवैध बिक्री पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि अवैध रूप से तेजाब बेचने वाले विक्रेताओं को जिम्मेदारी से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए तथा ऐसे मामलों में उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि दायित्व केवल हमलावर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुनवाई के दौरान अपराधियों पर कठोर आर्थिक दंड लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने जैसे उपायों पर भी चर्चा हुई। अदालत ने टिप्पणी की, 'हमलावर की संपत्ति, जिसमें संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति में उसका हिस्सा भी शामिल है, क्यों न जब्त की जाए? हम आत्मसम्मान आदि की बात करते हैं... तो आरोपी को क्यों नहीं भुगतना चाहिए?'

एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं। विशेष रूप से वे लोग भी प्रश्नों के घेरे में आ जाते हैं, जो इस हिंसा के विरुद्ध बोलने का साहस नहीं जुटा पाते। बिना किसी अपराध के जीवनभर असहनीय पीड़ा सहना केवल शारीरिक या मानसिक यातना भर नहीं है। यह उस धीमे ज़हर की तरह है, जिसमें पीड़िता हर दिन जीते हुए स्वयं को अपराधबोध, उपेक्षा और सामाजिक असहजता के बीच घिरा हुआ पाती है। विडंबना यह है कि तेजाब का प्रभाव केवल शरीर को नहीं जलाता, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन के प्रति विश्वास को भी भीतर तक झुलसा देता है।

यदि हम यह सोचते हैं कि ऐसी कुंठित मानसिकता केवल भारत तक सीमित है, तो यह हमारी गंभीर भूल होगी। स्त्री को अस्वीकार किए जाने, नियंत्रण खो देने या आहत अहंकार के प्रतिशोध में हिंसा का शिकार बनाना दरअसल संपूर्ण विश्व की एक सामाजिक बीमारी है। पुरुष अक्सर स्त्री की 'न' को स्वीकार नहीं कर पाता। जब उसका अहंकार घायल होता है, तब वह शक्ति, भय, हिंसा या नियंत्रण के माध्यम से स्त्री पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। और जब वह ऐसा करने में असफल होता है, तब कई बार प्रतिशोध सबसे क्रूर रूप में सामने आता है। नारीवादी चिंतक बेल हुक्स पितृसत्ता को ऐसी व्यवस्था मानती हैं, जो पुरुष को यह विश्वास दिलाती है कि प्रभुत्व उसका स्वाभाविक अधिकार है। वहीं मनोवैज्ञानिक लंडी बैनक्रॉफ्ट अपनी पुस्तक 'व्हाय डज़ ही डू दैट?' में लिखते हैं कि हिंसा केवल क्षणिक क्रोध का परिणाम नहीं होती, बल्कि उसके मूल में स्वामित्व, अधिकारबोध और नियंत्रण की मानसिकता छिपी होती है। यही कारण है कि जब कोई स्त्री अपनी स्वतंत्र इच्छा से निर्णय लेती है, असहमति जताती है या किसी संबंध को अस्वीकार करती है, तब पुरुषवादी अहंकार कई बार उसे दंडित करने पर उतारू हो जाता है। इन तमाम असहनीय यातनाओं और सामाजिक उपेक्षाओं के बीच जो बात सबसे अधिक चकित करती है, वह है एसिड अटैक सर्वाइवर्स की अदम्य जिजीविषा। उनकी जिजीविषा पितृसत्तात्मक मानसिकता को आईना दिखाती है। जिन लोगों ने उन्हें तोड़ने, डराने और जीवनभर के लिए समाप्त कर देने का प्रयास किया, वे उनके शरीर को तो घायल कर पाए, पर उनकी आत्मा, उनका साहस और जीने की इच्छा को समाप्त नहीं कर सके। शायद यही उन अपराधियों की सबसे बड़ी हार है कि जिन स्त्रियों को वे भय और पीड़ा के अंधेरे में धकेल देना चाहते थे, वही स्त्रियां आज संघर्ष, आत्मसम्मान और साहस की सबसे मजबूत आवाज बनकर खड़ी हैं। भारतीय एसिड अटैक सर्वाइवर रेशमा कुरैशी इसका एक सशक्त उदाहरण हैं। जिस लड़की के चेहरे को तेजाब से मिटा देने की कोशिश की गई थी, वही रेशमा बाद में न्यूयॉर्क फैशन वीक के रैंप तक पहुंचीं। यह केवल एक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध एक शांत किंतु दृढ़ प्रतिरोध था, जो किसी स्त्री की पहचान को उसके चेहरे तक सीमित समझती है। कुछ ऐसी ही कहानी ब्रिटेन की केटी पाइपर की भी है। एक भयावह एसिड अटैक के बाद लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरने वाली केटी ने स्वयं को केवल एक पीड़िता के रूप में सीमित नहीं होने दिया। अनेक सर्जरी, सामाजिक भय और आत्मसंघर्ष के बाद उन्होंने अपने अनुभवों को लेखन और सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनाया। उनकी पुस्तक 'ब्यूटीफुल' केवल एक आत्मकथा नहीं, बल्कि उस स्त्री की आंतरिक यात्रा है, जिसने अपने टूटे हुए अस्तित्व को धीरे-धीरे फिर से गढ़ा।

दरअसल, रेशमा कुरैशी, लक्ष्मी अग्रवाल और केटी पाइपर जैसी महिलाएं अकेली नहीं हैं। ईरान की अमेनेह बहरामी, कोलंबिया की नतालिया पोंसे दे लियोन, पाकिस्तान की फाखरा यूनुस और बांग्लादेश की जहरा जैसी अनेक महिलाओं ने एसिड अटैक की भयावह पीड़ा झेलने के बावजूद स्वयं को चुप्पी में कैद नहीं होने दिया। इन महिलाओं ने अपने संघर्ष को निजी दुख तक सीमित रखने के बजाय उसे सामाजिक प्रतिरोध और जागरूकता की आवाज में बदल दिया।

भारत में भी एसिड अटैक सर्वाइवर्स ने अपने संघर्ष को मौन पीड़ा में बदलने से इंकार किया। आगरा, लखनऊ और नोएडा में संचालित 'शीरोज़ हैंगआउट' केवल एक कैफे नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और पुनर्निर्माण का जीवित प्रतीक है। यहां काम करने वाली महिलाएं हर दिन समाज को यह संदेश देती हैं कि हिंसा किसी स्त्री के साहस को समाप्त नहीं कर सकती। जिन चेहरों को कभी समाज दया की दृष्टि से देखता था, वही चेहरे आज आत्मनिर्भरता, संघर्ष और सम्मान की नई परिभाषा लिख रहे हैं।

फिर भी सबसे बड़ा प्रश्न अब भी अनुत्तरित है आखिर एसिड हमलावर भयभीत क्यों नहीं दिखाई देते? क्या वे यह बखूबी जानते हैं कि कानून के गलियारों में अब भी ऐसी सकरी गलियां मौजूद हैं, जिनसे होकर वे बच निकलेंगे? या फिर उन्हें इस बात का आश्वासन रहता है कि दोष सिद्ध हो या न हो, जब अपराध किसी स्त्री से बदला लेने के नाम पर किया गया हो, तब समाज के लिए वह उतना अस्वीकार्य नहीं रह जाता, जितना होना चाहिए। शायद यही कारण है कि किसी स्त्री का पूरा जीवन झुलसा देने से पहले उनके भीतर भय नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रकार का सामाजिक आश्वासन काम करता है। जब तक कानून का भय और समाज की नैतिक अस्वीकृति समान रूप से कठोर नहीं होगी, तब तक ऐसी हिंसा केवल अपराध नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के संरक्षण में पलती हुई क्रूरता बनी रहेगी।

आज का राशिफल

मेष
क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं। परिवार में कलह-कलेश का माहौल रह सकता है। दूर यात्रा की योजना बन सकती है।

वृष
नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

मिथुन
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर नजर रखें। प्रचार-प्रसार से दूर रहें। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

कर्क
मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अभिष्ट कार्य की सिद्धि के योग हैं। उलझनों से मुक्ति मिलेगी।

सिंह
संपति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। व्यापारिक निर्णय लेने में देर नहीं करें।

कन्या
नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए। नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

तुला
यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी। प्रयास की मात्रा के अनुसार लाभ की अधिकता रहेगी। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें।

वृश्चिक
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है। भाइयों की मदद मिलेगी। संपति के लेनदेन में सावधानी रखें। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा।

धनु
वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक प्रगति में रुकावट आ सकती है।

मकर
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ के योग हैं। स्थायी संपत्ति क्रय करने के योग बनेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से भेंट होगी।

कुंभ
कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नेतृत्व गुण की प्रधानता के कारण प्रशासन व नेतृत्व संबंधी कार्य सफल होंगे। शत्रुओं से सावधान रहें।

मीन
मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। व्यापार में कार्य का विस्तार होगा। सगे-संबंधी मिलेंगे। पठन-पाठन में मन लगेगा।

स्वास्थ्य समाचार

गुलदाउदी के फूलों की चाय पीने से शरीर को मिलते हैं कई फायदे

प्रकृति में ऐसे कई औषधीय पौधे मौजूद हैं, जिनसे कई रोगों को आसानी से दूर किया सकता है। आयुर्वेद और नेचुरोपैथी में इन औषधियों का जिक्र मिलता है। एशिया में पाई जानी जाने गुलदाउदी चाय भी गुणों की खान मानी जाती है। इसका उपयोग ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और हार्ट संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है। चीन में गुलदाउदी की चाय बेहद लोकप्रिय है। इस चाय की कई किस्में होती हैं। गुलदाउदी एक तरह का फूल होता है, यह चाय इसी फूल से बनाई जाती है।

पोषक तत्वों का खजाना

गुलदाउदी चाय में विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट और आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह त्वचा, बाल, हड्डियों और आंतरिक प्रणालियों को पोषण प्रदान करती है। इसमें विटामिन बी के साथ ही अन्य मिनरल्स जैसे कोलीन, फोलिक एसिड, राइबोफ्लेविन और नियासिन पाए जाते हैं।

स्ट्रेस को कम करें

गुलदाउदी चाय की सुगंध इसके गुणों के साथ मिलकर स्ट्रेस को कम करने में सहायक होती है। इस चाय के सेवन से ब्रेन के न्यूरोट्रांसमीटर एक्टिवेट होते हैं और आपका तनाव कम होने लगता है।

पाचन क्रिया को बेहतर करता है

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, गुलदाउदी चाय पाचन तंत्र को बेहतर करने में सहायक होती है। इसकी चाय पीने से आपको पाचन संबंधी परेशानी जैसे कब्ज, गैस, पेट का फूलना व खट्टी डकार आने आदि की समस्या में आराम मिलता है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है

गुलदाउदी चाय में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर को विभिन्न बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार करते हैं। इस चाय के सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जो लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं उन्हें इसके सेवन से इंफेक्शन का खतरा कम हो सकता है।

डायबिटीज को कंट्रोल करने में सहायक

डायबिटीज को कंट्रोल करने में भी इसकी चाय मददगार हो सकती है। इस चाय के सेवन से ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल हो सकता है। इससे शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

डल और ड्राई स्किन से बचने के लिए चेहरे पर लगाएं तुलसी और दही

स्किन को बेदाग और जवान बनाए रखने के लिए लोग तमाम तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। मार्केट में मिलने वाले ज्यादातर स्किन केयर प्रोडक्ट्स केमिकल युक्त होते हैं। इनके इस्तेमाल से स्किन को नुकसान पहुंचने का खतरा भी रहता है। स्किन को बेहतर और बेदाग बनाने के लिए तुलसी और दही का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। तुलसी का इस्तेमाल हिंदू धर्म में धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। अनेकों औषधीय गुणों से युक्त तुलसी को आयुर्वेद में कई गंभीर बीमारियों का इलाज करने में इस्तेमाल किया जाता है। वहीं दही प्रोबायोटिक गुणों से युक्त होती है। बैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं। चेहरे पर इसका इस्तेमाल फेस पैक के रूप में करने से कई फायदे मिलते हैं। तुलसी और दही का मिश्रण न सिर्फ स्किन को बेहतर बनाने में मदद करता है बल्कि इसका इस्तेमाल बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इसका इस्तेमाल चेहरे पर मौजूद फुंसी और एक्ने से छुटकारा पाने में भी फायदेमंद होता है।

डल और ड्राई स्किन से बचाव

स्किन डल और ड्राई होने से बचाने के लिए तुलसी और दही का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। यह फेस पैक स्किन को ड्राई होने से बचाता है और चेहरे की नमी को ठीक रखने में मदद करता है। आप सप्ताह में दो बार इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एक्ने और पिंपल्स से छुटकारा

तुलसी और दही में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर होने वाले एक्ने, पिंपल्स, फोड़े और फुंसी से छुटकारा मिलता है। इस फेस पैक को लगाने से स्किन अंदर से साफ होती है।

दाग-धब्बों को हटाने में फायदेमंद

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बों को हटाने में तुलसी और दही का फेस पैक फायदेमंद होता है। इसमें एंटी-फंगल गुण होते हैं। दही, तुलसी की पत्तियों के साथ नींबू का रस मिलाकर लगाने से चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे जल्दी दूर हो जाते हैं।

चेहरे का ग्लो बढ़ाए

चेहरे का ग्लो बढ़ाने और एजिंग के लक्षणों को कम करने के लिए दही और तुलसी का फेस पैक बहुत फायदेमंद होता है। इसका इस्तेमाल करने से झुर्रियों को कम करने में भी मदद मिलती है।

टैनिंग दूर करने में फायदेमंद

सनबर्न और टैनिंग को दूर करने के लिए भी तुलसी और दही का फेस पैक बहुत फायदेमंद होता है। इसमें एलोवेरा मिलाकर लगाने से दोगुना फायदा मिलता है।

कैसे बनाएं तुलसी और दही का फेस पैक?

तुलसी की पत्तियों को पीसकर एक फाइन पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट में दो चम्मच दही मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। आप चाहें तो इस पेस्ट को टाइट करने के लिए आधा चम्मच बेसन भी मिला सकते हैं। अब इस पेस्ट को अच्छी तरह से चेहरे और गर्दन पर अच्छी तरह से लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को साफ करें। ऐसा करने से स्किन का ग्लो बढ़ेगा और कई परेशानियों से छुटकारा मिलेगा।

स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करते हुए इन टिप्स को करें फॉलो

यह तो हम सभी जानते हैं कि वर्कआउट करना सेहत के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन अक्सर हम बॉडी स्ट्रेचिंग पर उतना ध्यान नहीं देते हैं। हालांकि, स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज से भी आपको बहुत अधिक लाभ मिलता है। यह आपके रेंज ऑफ मोशन को इंप्रूव करने में मददगार है, जिसके कारण आपको चोट लगने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। इससे आपकी बॉडी की फ्लेक्सिबिलिटी में भी सुधार होता है, जिससे फिजिकल एक्टिविटी या वर्कआउट परफार्मेंगस में इंप्रूवमेंट साफतौर पर दिखाई देती है। इसके अलावा, स्ट्रेचिंग के कारण मसल्स ब्लड फ्लो भी बेहतर होता है।

कंफर्ट लेवल से अधिक ना करें : अक्सर लोग स्ट्रेचिंग करते समय शरीर को बहुत अधिक खींचने का प्रयास करते हैं। यह सच है कि स्ट्रेचिंग के दौरान मसल्स में हल्का खिंचाव महसूस होता है, लेकिन आपको कभी भी दर्द महसूस नहीं होना चाहिए। यदि आपको स्ट्रेचिंग करते हुए शरीर में अनकंफर्टेबल या दर्द का अहसास हो तो ऐसे में आपको थोड़ा कम स्ट्रेच करना चाहिए। शरीर को बहुत अधिक स्ट्रेच करने से भी आपको समस्या हो सकती है।

कई बार ना करें स्ट्रेचिंग : अन्य किसी भी एक्सरसाइज की ही तरह स्ट्रेचिंग भी आपके शरीर पर स्ट्रेस डालती है। इसलिए, बहुत अधिक स्ट्रेचिंग करने से भी बचा चाहिए। अगर आप एक ही मसल्स ग्रुप को दिन में कई बार स्ट्रेच कर रहे हैं, तो इससे आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

वर्कआउट के बाद करें स्ट्रेचिंग : आप स्ट्रेचिंग किस समय कर रहे हैं, इसका भी गहरा असर आपकी बॉडी व मसल्स पर पड़ता है। स्ट्रेचिंग करने का सबसे अच्छा समय वर्कआउट करने के बाद का है। दरअसल, इस दौरान आपका शरीर गर्म होता है और ऐसे में आपके लिए स्ट्रेचिंग करना अधिक आरामदायक रहता है। याद रखें कि ठंडी मसल्स उतनी फ्लेक्सिबल नहीं होती हैं, जिससे स्ट्रेचिंग करना बहुत मुश्किल हो जाता है। हालांकि, अगर आप स्ट्रेचिंग करने से पहले व्यायाम नहीं कर रहे हैं, तो कुछ हल्के कार्डियो जैसे वॉकिंग या जॉगिंग के साथ 5 से 10 मिनट तक वार्मअप जरूर करें।

बॉडी पोश्चर पर दें ध्यान : स्ट्रेचिंग करते समय आपको अपने बॉडी पोश्चर पर ध्यान अवश्य देना चाहिए। भले ही आप खड़े होकर, बैठकर या फिर लेटकर स्ट्रेचिंग कर रहे हैं। अपने बॉडी पोश्चर का ध्यान रखने से आप सही तरह से स्ट्रेचिंग कर पाते हैं और इससे बॉडी की फ्लेक्सिबिलिटी पर भी अच्छा असर पड़ता है। साथ ही साथ, टाइट मसल्स की स्ट्रेचिंग के दौरान चोट लगने की संभावना काफी कम हो जाती है।

सांस ना रोकें : कई बार स्ट्रेचिंग करते हुए हम अपनी सांसों को होल्ड कर लेते हैं, जबकि यह स्ट्रेचिंग करने का सही तरीका है।

भले ही आप अपने शरीर की किसी खास मसल को स्ट्रेच कर रहे हैं, लेकिन इस दौरान भी आराम से सांस लेते रहें। स्ट्रेच करते समय अपनी सांस न रोकें।

पेयजल संकट को लेकर वार्डवासियों का फूटा गुस्सा

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ क्षेत्र में भीषण गर्मी के बीच शहर के वार्डों में गहराते जल संकट ने आमजन को परेशान कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से सुचारू जलापूर्ति न होने से आक्रोशित वार्डवासियों ने गुरुवार को जलदाय विभाग कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन कर अधिकारियों का घेराव किया। मामले के अनुसार शहर के वार्ड नंबर 34 में पिछले तीन दोनों से पेयजल किल्लत बनी हुई है। इस समस्या से परेशान वार्ड 34 के लोग पूर्व पार्षद जयप्रकाश चोटिया के नेतृत्व में जलदाय विभाग के एक्सईएन कार्यालय पहुंचे तथा एक्सईएन के समक्ष अपना आक्रोश जताते हुए समस्या समाधान की मांग की। लोगों ने विभाग के उच्चाधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारियों को क्षेत्र में लगे ट्यूबवेलों की स्थिति तक का ज्ञान नहीं है। वार्डवासियों ने बताया कि कई ट्यूबवेल लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिन्हें ठीक करने की जहमत तक नहीं उठाई जा रही। पानी का प्रेशर इतना कम है कि नलों में बूँद-बूँद पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पानी के टैंकरों के वितरण में भी भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टैंकरों की सप्लाई केवल रसूखदार और प्रभावशाली लोगों के घरों तक सीमित रह गई है, जबकि जरूरतमंद परिवार पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभाग के अधिशाषी अभियंता ने वार्डवासियों को आश्वस्त किया कि बंद पड़े सभी ट्यूबवेलों को तुरंत प्रभाव से चालू करवाया जाएगा और शीघ्र ही समस्या का समाधान कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के कालोटा गांव में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का गुरुवार को उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि करनी सेना जिलाध्यक्ष सुरेंद्र फौजी, विशिष्ट अतिथि सुशील घुमरिया, सुरेंद्र कुमार थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता दशरथ सिंह ने की। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में कालोटा सरस्वती का बास और काकरिया की टीम आमने-सामने रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए कालोटा की टीम ने 82 रन का लक्ष्य खड़ा किया। जिसके जवाब में काकरिया की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 18 रन से मुकाबला हार गई। इस जीत के साथ कालोटा की टीम प्रतियोगिता की विजेता बनी। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के लिए अनुशासन और भाईचारे का माध्यम बताया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के खेलों का ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजन होने से युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। युवा खेलों के जरिए अपने कैरियर को बेहतर बना सकते हैं। इस दौरान आयोजन समिति की ओर से विजेता टीम को 21 हजार रुपए एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 11 हजार रुपए देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की ओर से अतिथियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। प्रतियोगिता के समापन पर खिलाड़ियों और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर जगु, जगदीश, राहुल, हरिराम पूर्व सरपंच, राजेंद्र शेखावत, जसवंत निर्वाण, शीशराम चौधरी, महेंद्र राजपूत, सुमेर सिंह, दाताराम चौधरी, सुमेर चौधरी, बीजू चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

लखदातार फूड कोर्ट का शुभारम्भ

निसं

सिंघाना (नवयत्न)। नगरपालिका क्षेत्र सिंघाना के नारनौल रोड स्थित भोदन पुल के पास नवनिर्मित लखदातार फूड कोर्ट का गुरुवार को धार्मिक रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और समाजसेवी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवाराम सैनी रहे जबकि अध्यक्षता महावीर प्रसाद सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में धुड़ाराम सैनी व डीपी सैनी मौजूद रहे। अतिथियों ने होटल का विधिवत उद्घाटन फीता काटकर किया। सहयोग एक पहल संस्थान के अध्यक्ष डी पी सैनी ने होटल संचालकों को बधाई देते हुए कहा कि इस फूड कोर्ट के खुलने से क्षेत्रवासियों को एक ही स्थान पर स्वच्छ, स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सकेगा, जिससे कस्बे को नई पहचान मिलेगी। कार्यक्रम का कुशल संचालन लक्ष्मण सिंह सैनी व करण सिंह सैनी ने किया। होटल प्रबंधक अनुज कुमार ने आए हुए सभी मेहमानों का प्रसाद वितरण कर आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि ग्राहकों की संतुष्टि और शुद्धता ही उनकी प्राथमिकता रहेगी।

समारोह में ये रहे मौजूद

इस दौरान नितिन सारस्वत पंडित, जगदीश प्रसाद सैनी, मोहनलाल, मोहर सिंह, बरकत खान, विकास सैनी, दौलतराम, मूलचंद, फूलचंद सैनी, सागरमल, अमर सिंह, राधेश्याम मास्टर, अशोक शर्मा, अमर सिंह जांगिड़, लीलाधर, पिंटू, बंशीधर, विशाल भोदन, रॉकी, मनीराम, रामजीलाल, विवेक सैनी, राजू गराटी, महेश सैनी, रवि, कृष्ण कुमार, अमित, बृजमोहन, नरेश, रामप्रसाद और जितेन्द्र सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सामोता बने प्रदेश संयुक्त सचिव

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। विश्व मानवाधिकार अनुसंधान परिषद सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक योगी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार पुरस्कार-2026 प्राप्तकर्ता श्रीमाधोपुर तहसील की ढ़ाणी सालावाली, त्रिलोकपुरा निवासी राजेन्द्र सिंह सामोता को संगठन की सोशल जस्टिस सेल में राज्य संयुक्त सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके सामाजिक कार्यों, अनुभव एवं योग्यताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान की गई है। नियुक्ति पत्र के अनुसार परिषद मानवाधिकार संरक्षण, शिक्षा, कानूनी सहायता, मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच तथा सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कार्यरत एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। संगठन ने उम्मीद जताई है कि राजेन्द्र सिंह सामोता अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मानवाधिकारों के प्रति जनजागरण एवं संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राजेन्द्र सिंह सामोता ने इस नियुक्ति पर संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे मानवाधिकार संरक्षण एवं समाज सेवा के क्षेत्र में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। इस नियुक्ति पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है।

योग दिवस की पूर्व तैयारियां शुरू

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय राजकीय भिंवसरिया बालिका विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत प्रधानाध्यापिका शीतल मिश्रा के मार्गदर्शन में योगाचार्य कुलदीप सैन योगाचार्य सुमित्रा जोगी द्वारा विद्यालय के बच्चों को योगाभ्यास करवाया गया। इस दौरान बच्चों को अनेक आसन्न करवाए गए। इस दौरान विद्यालय स्टाफ मीनाक्षी शर्मा, सुधा जांगिड़, सरिता फुलवारिया, अनीता, रेखा, सुमित्रा चौधरी का सहयोग रहा।

हंसराज परिहार को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर निवासी सहायक आचार्य हंसराज परिहार को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर ने डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है। परिहार ने डूंगर कॉलेज बीकानेर के प्रोफेसर डॉ आनंद कुमार खत्री के निर्देशन में पीएचडी का शोध कार्य पूरा किया है। परिहार ने अपना शोध कार्य डायवर्सिटी एंड इकोलॉजी ऑफ लेपिडोप्टेरान इंसेक्ट फॉना ऑफ तारानगर, चूरू राजस्थान, विषय पर किया है। अपने शोध कार्य में इन्होंने तारानगर क्षेत्र में लेपिडोप्टेरान कीट समूह के बटरफ्लाई और मोथ की कुल 100 कीट प्रजातियों की खोज की है। वर्तमान में परिहार मां जालपा देवी राजकीय महाविद्यालय तारानगर में सहायक आचार्य, प्राणिशास्त्र के पद पर कार्यरत है।

कांग्रेस नेताओं ने नहीं लगने दी सुजानगढ़ में बाबा साहेब की मूर्ति : कुलदीप

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय नगर परिषद के बाहर चल रहे कांग्रेस के धरने को लेकर बीजेपी एस सी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप ने तंज कसते हुए कांग्रेस को जन विरोधी बताया है। प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि अभी फरवरी में ही कांग्रेस की सभापति का कार्यकाल पूरा हुआ है, तो उन्होंने सारे टेंडर समय पर क्यों नहीं जारी किए लेकिन अब जब चुनाव होने हैं तो धरना प्रदर्शन के बहाने कांग्रेस जनता को मूर्ख बनाने का काम कर रही है। कुलदीप ने कहा कि ट्रैक्टर्स का टेंडर हथियाने के लिए महापुरुषों की मूर्तियां लगाने की मांग करने की आड़ ली जा रही है लेकिन जनता बेवकूफ नहीं बनेगी। कुलदीप ने बताया कि मामले को लेकर कद्दावर नेता राजेंद्र राठौड़ से मिलकर उन्हें वस्तु स्थिति से अवगत करवाया गया है। बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि ग्रीन स्पेस पार्क में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगने वाली थी लेकिन उस कार्य को रोकने का काम कांग्रेस के लोगों ने किया है। कुलदीप ने कहा कि जब-जब बाबा साहेब की मूर्ति लगने की बात आई तो कांग्रेस नेताओं ने विधायक मनोज मेघवाल को खुश करने के लिए दिवंगत मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल की मूर्ति साथ में लगाने की बातें कहकर इस कार्य में अड़ंगा लगाने का काम किया। कुलदीप ने कहा कि ज्यों ही नया चेयरमैन बनेगा, तब सबसे पहले ग्रीन स्पेस पार्क में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाने का काम किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं का धरना चौथे दिन भी रहा जारी

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। नगरपरिषद के बाहर विभिन्न मांगों लेकर चल रहा धरना गुरूवार को चौथे भी जारी रहा है। अनिश्चितकालीन धरने पर अजय ढेनवाल, सुनील सियोता, पवन लाखन, विष्णु शर्मा, बुधराज बारवासा, मुकेश जावा, राजेश, शशिकांत तेजस्वी, मुकेश गोयल, हंसराज सियोता, ओंकार मल मेघवाल रहे। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप तोदी, राजकुमार इंदौरिया, लालचंद बेदी, बिलाल भुरान, इकबाल खान, नेमीचंद रैगर, एड. तिलोक मेघवाल, सुरजाराम डाबरिया, दीपाराम सांडेला भी मौजूद रहे। ज्ञात रहे कि नेहरू पार्क में महापुरुषों की मूर्तियां लगाने, ट्रैक्टर्स का टेंडर करने की मांगो को लेकर कांग्रेस नेताओं का धरना जारी है।

संकल्प पिकल बॉल एरिना का शुभारंभ

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय पंचायत समिति के पास संकल्प पिकल बॉल एरिना का भव्य शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रीगणेश पूजन से हुआ।

पूर्व पार्षद मंजु गहलोत और पूर्व लेखाधिकारी बाबूलाल गहलोत ने फीता काटकर शुभारंभ किया । इस मौके पर सैन समाज के प्रदेशाध्यक्ष हरिप्रसाद हर्षवाल, कांग्रेस नेता रमेशचंद्र इंदौरिया, पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोष बाबू इंदौरिया, लीटू कल्पनाकांत, रघुनंदन धरेंद्र, प्रदीप शर्मा, डॉ संतोष आर्य, डॉ सुखवीर सिंह कस्वां, डॉ सुनील तमोली, विक्रमसिंह चौहान, नीतू सिंह शेखावत, अनूप जोशी, संजय पूनिया चूरू, गोविंद बबेरवाल, राहुल यादव, ओमप्रकाश चौहान, राहुल व्यास, अशोक गौड़,, कुतुबुद्दीन पठान, नरोत्तमलाल सोनी, मनोज चारण, दिनेश भाटी सहित कई गणमान्यजन और खेलप्रेमी उपस्थित थे। पार्षद राजेश गहलोत, रामनिवास गहलोत, श्याम सुंदर गहलोत, सीमा गहलोत, दीक्षा शर्मा, सनी चायल और आकांक्षा गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया। निदेशक संकल्प गहलोत ने बताया कि इससे शहर में खेलों के प्रति जागरूकता का संचार होगा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राकेश गहलोत ने किया।

होटल में चल रहे अवैध हुक्का बार पर मारा छापा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी में अवैध हुक्का बारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम और सदर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बनीपार्क स्थित एक होटल में अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हुक्का सामग्री जब्त कर मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त अपराध संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी को सूचना मिली थी कि सदर थाना इलाके के बनीपार्क के गायत्री मार्ग स्थित होटल ट्रेडिशनल हवेली में नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से हुक्का पिलाया जा रहा है। सूचना पुख्ता होने पर पुलिस टीम ने होटल के रेस्टोरेंट पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 07 हुक्के (मय चिलम और रबर पाइप), भारी मात्रा में तंबाकू फ्लेवर अलग-अलग इस्तेमाल किए जा रहे डिब्बे सहित अन्य हुक्का सामग्री बरामद की गई। साथ ही पुलिस ने मौके से होटल मैनेजर सुभहा राय को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा वहां फ्लेवर्ड हुक्का पी रहे 6 व्यक्तियों के खिलाफकोटपा एक्ट के तहत चालान काटकर जुर्माना वसूला गया। पुलिस अब होटल मालिक की भूमिका और अवैध सामग्री की सप्लाई के बारे में पूछताछ कर रही है।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। कस्बे की सामाजिक संस्था स्वर्णकार जन सेवा संस्थान की ओर से राजलदेसर कस्बे में 2026 में कक्षा 10 एवं 12 में 80 प्रतिशत से अधिक नंबर हासिल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन महिला मंडल भवन में आयोजित किया गया। जिसमें कार्यक्रम के अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, मुख्य अतिथि देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी, सेवानिवृत्त सेशन न्यायाधीश विनोद सोनी, रमेश सोनी, रतनगढ़ स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष पवन कुमार सोनी, ज्वेलर एसोसिएशन के प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार सोनी, ज्वेलर एसोसिएशन के प्रदेश प्रधान संस्थापक हंसराज कड़ेल के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को प्रशति पत्र, मोमेंटो, पाठ्य सामग्री, मिठाई भेंट करके सम्मान किया गया। इस अवसर पर 102 छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवस्थान विभाग के आयुक्त बीकानेर गौरव सोनी ने कहा स्वर्णकार जन सेवा संस्थान की ओर से आज जो सर्व समाज के विद्यार्थियों का सम्मान किया है इसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करके समाज एवं देश का नाम रोशन करना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया एवं भविष्य के कार्यक्रम के बारे में भी अवगत करवाया। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का स्वर्णकार जन सेवा संस्थान के श्यामलाल कुकरा, अशोक कड़ेल, गोपाल लावट, देवचंद सोनी, हनुमानमल सोनी, मनोज सोनी, राम सोनी आदि के द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर राजलदेसर कस्बे के प्रमुख डॉक्टर हीरालाल सोनी, मोहम्मद शरीफ छींपा, ललित दाधीच, किशन सोनी, शिवरतन पांडे, अभिनव बाल भारती के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ओझा, अभय सोनी, मुकेश श्रीमाल, लालचंद पांडे, सांवरमल सुथार, हेमराज सुथार, चंपालाल भाटी, जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल की सदस्य एवं युवक परिषद के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भुवनेश्वर शर्मा ने किया।

निःशुल्क पशु चिकित्सा एवं बांझ निवारण शिविर आयोजित

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री पशुपालन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में श्री राजलदेसर गौशाला एवं श्री नाथ नगर गौशाला में नि:शुल्क पशु चिकित्सा एवं बांझ निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में काफी संख्या में गौवंश के स्वास्थ्य का परीक्षण एवं उपचार का किया गया । शिविर में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील तमोली के नेतृत्व में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ विकास कुमार, डॉ मुकनी कुमारी, पशु चिकित्सा सहायक पूनम कुमारी एवं सोमवीर द्वारा गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क उपचार प्रदान किया गया। इस दौरान बांझ निवारण संबंधी विशेष जांच एवं परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान 90 गौवंश का बांझ निवारण उपचार हेतु चयन किया गया। वहीं 665 गौवंश को कृत्रविनाशक दवाई पिलाई गई तथा 200 गौवंश का खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। शिविर के आयोजन से गौशाला संचालकों ने पशुधन संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल बताते हुए आयोजन की प्रशंसा की।

चलती स्कूटी बनी आग का गोला

निसं

जयपुर (नवयत्न)। अशोक नगर थाना क्षेत्र के करतारपुरा इलाके में गुरुवार को एक चलती स्कूटी में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के दौरान स्कूटी चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वाहन से छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन स्कूटी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करतारपुरा इलाके में स्कूटी चलते समय अचानक उसमें से धुआं निकलना शुरू हुआ। कुछ ही क्षणों में स्कूटी आग की लपटों से घिर गई। सड़क पर आग लगी स्कूटी देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और राहगीरों ने अपने वाहन रोक दिए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पाया। घटना के दौरान सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। प्रारंभिक जांच में स्कूटी में तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

नि:शुल्क पशु चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर आयोजित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। अजीतगढ़ ब्लॉक की गौशालाओं में गुरुवार को पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिन पर पशुपालन विभाग द्वारा नि:शुल्क पशु चिकित्सा एवं पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन करके पशुपालकों को राहत एवं गौसेवा कार्य किया गया। पशुपालन अजीतगढ़ नोडल अधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार कुड़ी के मुताबिक अजीतगढ़ ब्लॉक की गोशालाओं में पशुपालन विभाग द्वारा गुरुवार को नि:शुल्क पशु चिकित्सा एवं पशु बांझपन निवारण शिविर आयोजित करके पशुपालकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा गर्मी के मौसम में पशुओं के खान पान, रहन सहन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वहीं गौशालाओं में गौसेवा को लेकर गौवंश को हरा चारा, गुड़, तरबूज, खीरा आदि खिलाया गया। पशुपालन कार्मिकों ने बीमार गौवंश का उपचार किया। उपचार के दौरान गौशाला प्रबंधन को भी गर्मी के भीषण दौर में गौवंश के लिए आवश्यक एडवाइजरी के पालन तथा किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नजदीकी पशु चिकित्सालय, केंद्र के कार्मिकों को सूचित करने का सन्देश दिया। इस दौरान अजीतगढ़ में श्रीकृष्ण गोशाला में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पशुधन प्रसार अधिकारी महेंद्र सिंह शेखावत, सीमा यादव, अर्चना मीणा समेत अनेक गौसेवक मौजूद थे।

पैरेंट्स बच्चों से जरूर करवाएं ये खास काम

बनेंगे सेल्फ डिपेंडेंट और दूर होंगी उनकी मुश्किलें

90 के दशक के बच्चों की परवरिश और आज के बच्चों की परवरिश में बहुत अंतर आ चुका है। सबसे बड़ा अंतर है कि आजकल के बच्चों के हाथों में बचपन से ही पेरेंट्स मोबाइल फोन थमा देते हैं, जिसके कारण वह ज्यादा चीजों को सीखने में रुचि नहीं रखते और हर वक्त मोबाइल में बिजी रहते हैं। वर्किंग पेरेंट्स अपने बच्चों के साथ ज्यादा समय भी नहीं बिता पाते हैं और इसका असर बच्चों के विकास पर भी पड़ता है। बच्चे हर बात का जवाब अपने मोबाइल में ढूंढने लगे हैं, ऐसे में कुछ बच्चों में आत्मनिर्भरता का अभाव भी देखने को मिलता है।

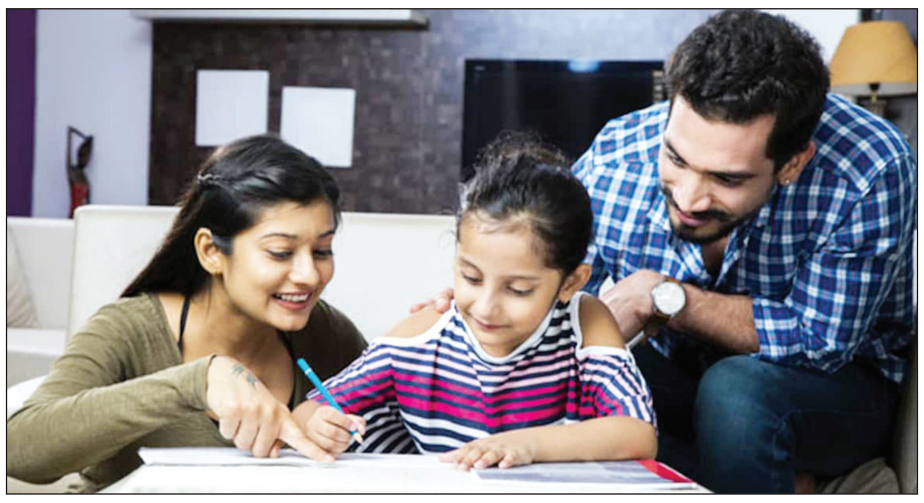

कपड़ों को अलमारी में रखना

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सबसे पहले तो उसे अपने कपड़ों को ठीक से तय करके रखना सिखाएं। अगर आपका बच्चा कपड़े उतारकर इधर-उधर फेंकता है तो उसे सिखाएं कि ये गलत है और बताएं कि कपड़ों को कहां रखना है। इसके साथ ही बच्चे को सिखाएं कि उसे अपने साफ कपड़ों को अलमारी में कैसे लगाकर रखना है। जब बच्चा अपने कपड़ों को अलमारी में अच्छे से रखे तो उसकी तारीफ करें। तारीफ सुनने से बच्चे का हौसला बढ़ेगा और वह अपने काम को और परफेक्ट करने की कोशिश भी करेगा।

परिवार के साथ खाना

बच्चे मोबाइल में इतने बिजी हो चुके हैं कि वह मोबाइल यूज करते हुए खाना खाते हैं, अगर आपका बच्चा भी ऐसा करता है तो उसकी इस आदत को छुड़वाने के लिए आप उससे टेबल पर खाना सेट करवाइए और परिवार के साथ बैठकर खाना खाने के लिए बोलिए। जब बच्चा अपने परिवार के साथ खाना खाएगा तो वह सब से कुछ न कुछ सीखेगा। बचपन से जब आपके बच्चे की सबके साथ खाना खाने की आदत लगेगी तो वह आगे भी इसे फॉलो करेगा।

स्कूल के लिए तैयार होना

बच्चे जब स्कूल के लिए तैयार होते हैं तो ड्रेस से लेकर जूते तक उनके पेरेंट्स पहनाते हैं। ऐसे में बच्चे को सेल्फ डिपेंडेंट बनाने के लिए आप उसे खुद से तैयार होना सिखाएं और रात में ही सुबह स्कूल जाने के लिए जरूरी चीजें, जैसे- कपड़े, जूते और बैग को लगाकर रखना सिखाएं।

गार्डनिंग करना

पेड़-पौधे हमारे लिए कितने जरूरी हैं ये बात हर कोई जानता है, जिस तेजी से प्रदूषण बढ़ रहा है उस तेजी से पेड़ नहीं लगाए जा रहे। ऐसे में आप अपने बच्चे को बचपन से गार्डनिंग करना सिखाइए। उससे पौधों में रोजाना पानी डलवाइए और उसे समझाइए कि पौधों की देखभाल कैसे करनी है।

कमरे की सफाई

आप अपने बच्चे को सिखाइए कि उसे अपने कमरे में चीजों को कैसे मैनेज करना है। बच्चे को सिखाएं कि अगर किसी खिलौने को खेलने के लिए वह उठाए तो बाद में इधर-उधर न रखे बल्कि खिलौने को उसी जगह पर रखे जहां से उठाया है। ऐसा ही वह अपनी कॉपी और किताबों के साथ भी करें। बचपन से जब बच्चे की आदत ऐसी होगी तो वह बड़े होकर भी अपने कमरे को अच्छे से मैनेज कर के रखेगा।

अपने शब्दों का चयन सावधानी से करें

जिस तरह से माता-पिता अपने बच्चों से बात करते हैं, उसका बच्चे के आत्मसम्मान पर गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। इसलिए ये ध्यान रखना जरूरी है कि आप अपने बच्चे से कैसे बात करते हैं। जब आपका बच्चा किसी नई चुनौती का सामना करता है तो क्या आप अपने बच्चे का प्रोत्साहन बढ़ाते है? जिन चीजों में आपका बच्चा अच्छा है क्या आप उन्हें उन चीजों को पॉइंट आउट करके तारीफ करते हैं? अगर आपका जवाब ना है तो आपको इसमें बदलाव लाना होगा। आपको उन शब्दों के उपयोग से भी बचना चाहिए जिनके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। जैसे, अगर आपका बच्चा होमवर्क करना भूल गया है तो उसपर चिल्लाने के बजाए उससे पूछें कि क्या हुआ, उसे अपनी परेशानी बताने का मौका दें।

निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करें

आप अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय लेने में सक्षम बना सकते हैं। जैसे कि नाश्ते में क्या खाना चाहिए, कौन सा खेल खेलना है या कौन सी फिल्म देखनी है, आदि। ऐसे छोटे-छोटे निर्णय लेने से आपके बच्चे का सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

स्वतंत्रता पर जोर दें

अपने बच्चे को उम्र-उपयुक्त जिम्मेदारियां सौंपे। शुरुआत में छोटी उम्र में उसे जूते की लेस बांधना, यूनिफॉर्म पहनना और बैकपैक करने जैसी छोटी-छोटी चीजें सिखाएं। ऐसा करने से आपके बच्चे में बचपन से ही आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ेगी। जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उसी हिसाब से बढ़ाएं। जैसे कपड़ों और जूतों की सफाई और नाखून काटने जैसी चीजें।

शेविंग करने के बाद पुरुष स्किन की देखभाल करने के लिए अपनाएं ये टिप्स, स्किन बनेगी मुलायम

कुछ पुरुष बियर्ड लुक पसंद करते हैं, तो कुछ को क्लीन शेव रखना पसंद होता है। ऐसे में, जो पुरुष क्लीन शेव रखते हैं, उन्हें जल्दी-जल्दी शेव करना पड़ता है। जल्दी शेव करने से अधिकतर पुरुषों की स्किन खुरदुरी होने के साथ ड्राई भी हो जाती हैं। शेविंग क्रीम और रेजर के नियमित इस्तेमाल से त्वचा छील जाती है। इस कारण कई बार स्किन पर इरिटेशन भी बढ़ जाती है। बहुत से पुरुषों को शेविंग के बाद दानों की समस्या भी हो जाती है। नियमित शेव करने से त्वचा काफी डल भी नजर आती है और चेहरे काफी बुझा सा लगता है। ऐसे में पुरुषों को शेविंग करने के बाद स्किन की खास देखभाल करने की जरूरत होती है। आइए जानते हैं ऐसी टिप्स के बारे में, जो शेविंग करने के बाद पुरुषों के स्किन की देखभाल करने में मदद करेगी। जिससे स्किन मुलायम बनेगी और ड्राईनेस से भी छुटकारा मिलेगा।

शहद

शेविंग करने के बाद पुरुष स्किन की देखभाल करने के लिए शहद से भी मसाज कर सकते हैं। शहद में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण जलन को दूर करने के साथ ड्राईनेस को भी दूर करते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए शेविंग करने के बाद शहद को हाथ में ले कर हल्के हाथ से 2 से 3 मिनटतक मसाज करें। शहद में गुलाब जल को भी मिलाया जा सकता है।

फेस स्क्रब

शेविगं के बाद पुरुष स्किन की देखभाल करने के लिए फेस स्क्रब भी कर सकते हैं। फेस स्क्रब करने से छिद्रों को गहराई से सफाई होगी और स्किन मुलायम बनेगी। स्क्रब करने से त्वचा ग्लोइंग भी बनती है। पुरुष स्क्रब करने के लिए अखरोट, नमक या चावल के स्क्रब का उपयोग कर सकते हैं।

फेस पैक

नियमित शेविंग करने से त्वचा में रूखापन होने के साथ त्वचा काफी डल भी हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए मॉइस्चराइजिंग फेस पैक या शीट मास्क का भी इस्तेमाल किया जा सकता हैं। इससे त्वचा को पोषण मिलेगा और त्वचा मुलायम बनेगी।

ड्राई शेवर्स के इस्तेमाल से बचें

बहुत से पुरुष शेविंग करने के लिए ड्राई शेवर्स का इस्तेमाल करते हैं, जो स्किन को नुकसान पहुंचाने के साथ त्वचा को ड्राई बनाते हैं। ड्राई शेवर्स त्वचा में जलन पैदा कर सकता है। शेविंग करने के लिए पुरुष मल्टीपल ब्लेड वाला रेजर चुनें। ऐसा करने से त्वचा संबंधी समस्याएं कम होगी।

एलोवेरा

पुरुष शेविंग करने के बाद त्वचा की जलन कम करने के लिए एलोवेरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा स्किन को हेल्दी रखने के साथ ड्राईनेस को दूर करता है। इससे नियमित रूप से मसाज करने से त्वचा ग्लोइंग भी बनती है। एलोवेरा शेविंग के बाद दानों की समस्या से भी राहत देता है।

दही में मिलाकर खा लीजिए ये चीज दूर हो जाएगी हेयर फॉल की समस्या

हेयर फॉल एक यूनिवर्सल प्रॉब्लम है।इससे अनेक लोग गुजरते हैं। इसके कारण बाल पतले और बहुत ज्यादा हल्के हो जाते हैं। खासकर महिलाओं को इससे बड़ी समस्या हो जाती है। कई बार तो हेयरफॉल इस कदर होता है कि घर में हर जगह बाल ही बाल दिखाई देता है।इस समस्या को दूर करने के लिए लोग ना जाने क्या कुछ करते हैं। कोई हेयर ट्रीटमेंट लेता है, तो कोई शैंपू बदलता है। कुछ लोग तो सप्लीमेंट्स भी लेते हैं। लेकिन बावजूद इसके बालों का झड़ना नहीं रुकता है।

क्या दही और अलसी से हेयर फॉल कम होता है : दही और अलसी का सेवन करने से आपकी हेयर फॉल की समस्या दूर हो सकती है। अलसी यानी की फ्लैक्सीड से आपको ओमेगा 3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट मिलेगा। वहीं दही से प्रोटीन और प्रोबायोटिक मिलेंगे। यह दोनों कांबिनेशन आपके फैट सॉल्युबल विटामिन को अब्जॉर्ब करने में मदद करेंगे, जो आपकी रूट को नरिश करते हैं। यह आपका हेयर फॉल काम करने में मदद कर सकते हैं। इससे बालों के समग्र स्वास्थ्य में मदद मिल सकती है। संभावित रूप से बालों की बनावट और मजबूती में सुधार होती है। इस कांबिनेशन को ब्रेकफास्ट या लंच में से किसी एक वक्त सेवन कर सकते हैं।

क्या है दही और अलसी खाने का तरीका?

- अलसी को सबसे पहले रोस्ट कर लें।
- अब इसे ग्राइंडर में क्रश करके पाउडर बना लें।
- अब एक कप में दही लें और इसमें एक चम्मच अलसी का पाउडर मिलाकर मिक्स कर लें।
- अब आप इसका सेवन करें।
- हर रोज आप इसे अपने डाइट का हिस्सा बनाएंगे तो फायदा मिलना मुमकिन है।

ज्यादा मात्रा में खट्टी चीजें खाने से सेहत को हो सकते हैं ये गंभीर नुकसान

खट्टा खाना कई लोगों को बहुत पसंद होता है। बहुत से लोग किसी न किसी बहाने से खट्टी चीजों का सेवन करते रहते हैं। लेकिन आपको बता दें, ज्यादा मात्रा में खट्टी चीजों के सेवन से शरीर को नुकसान होने के साथ कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। बहुत से लोग तेजी से वजन घटाने के लिए ज्यादा मात्रा में नींबू पानी पीते हैं, तो बहुत से लोग खाने के साथ अचार खाना पसंद करते हैं। इन चीजों के सेवन से कई बार पाचन-तंत्र खराब होने के साथ पेट में जलन भी महसूस होती है। ज्यादा मात्रा में खट्टी चीजों के सेवन से यूटीआई की समस्या भी बढ़ सकती है। लोग अचार, नींबू के साथ कई बार इमली, आंवला, दही, खटाई चीजों का सेवन कर लेते है, जो शरीर में कई बीमारियों के चांसेज को बढ़ाती हैं। ज्यादा मात्रा में खट्टी चीज खाने से शरीर को क्या नुकसान हो सकते हैं।

दांतो में समस्या

खट्टी चीजों के ज्यादा सेवन से दांतों से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। इन चीजों के सेवन से दांतों में झनझनाहट के साथ दर्द की समस्या भी बढ़ सकती है। ऐसे में अगर आपको दांत से जुडी समस्या से जूझ रहे हैं, तो खट्टी चीजों के सेवन से बचें।

शरीर में जलन

खट्टी चीजों के ज्यादा सेवन से शरीर में जलन का अनुभव होता है। यह चीजें शरीर में जलन के साथ छाती में कफ और खांसी को भी बढ़ा सकती हैं। खट्टी चीजों के सेवन से कई बार गले में दर्द और जलन की समस्या हो जाती है और कई बार टॉन्सिल होने का खतरा भी बढ़ता है।

गुड बैक्टीरिया को होता है नुकसान

पेट को हेल्दी रखने के लिए आंतो में गुड बैक्टीरिया पाए जाते हैं, लेकिन खट्टी चीजों के ज्यादा सेवन से यह कम होने के साथ शरीर को भी नुकसान होता है। इनके सेवन से शरीर का पीएच बैलेंस खराब होने के साथ आंतों संबंधित कई समस्याएं बढ़ती है।

शरीर में सूजन की समस्या

खट्टी चीजों के सेवन से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या हो सकती है। यह समस्या खासकर मौसम बदलने पर ज्यादा बढ़ सकती है। शरीर में सूजन की समस्या को कम करने के लिए खट्टी चीजों के सेवन से बचें।

ज्यादा नींबू लेना सेहत के लिए हो सकता है नुकसानदायक

नींबू को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। नींबू विटामिन सी, पोटेशियम और फाइबर का अच्छा स्रोत हैं। इसलिए, जब नींबू को अपनी डेली डाइट में शामिल किया जाता है तो यह ना केवल इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है, बल्कि पाचन में सुधार करने में भी मदद कर सकते हैं। लेकिन नींबू से मिलने वाले पोषक तत्वों का असली लाभ तभी मिलता है, जब इसे सीमित मात्रा में लिया जाए। कुछ लोग दिनभर में कई बार नींबू का सेवन करते हैं, जिससे उन्हें फायदे की जगह कई नुकसान का सामना करना पड़ता है। आमतौर पर प्रति दिन 1-2 नींबू का सेवन करना सुरक्षित है। इससे अधिक नींबू आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

हो सकती है माइग्रेन की समस्या : अगर आपको पहले से ही सिर दर्द या माइग्रेन की शिकायत रहती है तो ऐसे में नींबू का अधिक सेवन करना आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। खट्टे फल अक्सर माइग्रेन और सिरदर्द का कारण बनते हैं। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि नींबू टायरामाइन का उत्पादन करता है। यह एक प्राकृतिक मोनोमाइन है, जो अक्सर सिरदर्द का कारण बनता है। इसलिए, दिनभर में एक या दो नींबू से अधिक ना लें।

हो सकती हैं डाइजेस्टिव प्रॉब्लम्स : नींबू यूं तो डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका अधिक सेवन करना डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैक्सेटिव इफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है या फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

एलर्जिक रिएक्शन : ऐसे भी कुछ लोग होते हैं, जिन्हें नींबू जैसे खट्टे फलों से एलर्जी हो सकती है। एलर्जी रिएक्शन होने पर उन्हें खुजली और पित्ती जैसे हल्के लक्षणों से लेकर एनाफिलेक्सिस जैसे गंभीर रिएक्शन तक हो सकते हैं। खासतौर से, जब आप अधिक मात्रा में इसका सेवन करते हैं तो समस्या बद से बदतर हो जाती है। इसलिए, ऐसे लोगों को नींबू या अन्य खट्टे फलों से दूर ही रहना चाहिए।

दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचना

नींबू का रस अम्लीय होता है, और एसिड के बार-बार संपर्क में आने से दांतों का इनेमल नष्ट हो सकता है। जब नींबू का सेवन अधिक मात्रा में किया जाता है, तब यह समस्या बढ़ सकती है। जिससे दांतों में सेंसेटिविटी, डिस्कलरेशन और दांतों में छेद होने का खतरा बढ़ जाता है। इस जोखिम को कम करने के लिए हमेशा एक स्ट्रॉ की मदद से नींबू पानी पीएं और बाद में सादे पानी से कुल्ला कर लें।

आयुर्वेद में गिलोय को माना जाता है अमृत

आयुर्वेद में कई सारे हर्ब्स को फायदेमंद माना जाता है। मेमोरी को बूस्ट करने से लेकर, स्ट्रेस को दूर करने तक इन आयुर्वेदिक हर्ब्स के कई फायदे हैं। ऐसा ही एक आयुर्वेदिक हर्ब है गिलोय। गिलोय को आयुर्वेद में अमृत कहा जाता है और इसके फायदे भी अमृत समान ही हैं। कोरोना के समय में भी इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए गिलोय का काफी इस्तेमाल किया जाने लगा था। गिलोय इम्यूनिटी को बूस्ट करता है, ब्रेन के लिए टॉनिक होता है, स्ट्रेस को कम करता है और मेमोरी को बूस्ट करता है।

गिलोय के फायदे : आयुर्वेद में गिलोय को बहुत उपयोगी माना जाता है। फीवर, डेंगू, चिकनगुनिया, वायरल फीवर, कफ, कोल्ड और डायबिटीज जैसी बीमारियों को दूर करने में यह फायदेमंद होता है। गिलोय पेट से जुड़ी दिक्कतों को भी दूर करता है। गिलोय में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी- बायोटिक, एंटी-एजिंग, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-वायरल, एंटी-डायबिटिक और एंटी-कैंसर गुण पाए जाते हैं। हालांकि इसे सभी खा सकते हैं और इसके कोई खास साइड-इफेक्ट्स नहीं होते हैं लेकिन फिर भी अगर आप गर्भवती हैं या कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

आयुर्वेद के अनुसार, कैसे खाना चाहिए गिलोय : गिलोय की पत्तियों और तने को रातभर भिगो दें। इसे क्रश करें फिर बॉइल करें। इसके बाद सुबह 1 गिलास पानी में इसे डालकर, आधा रह जाने तक उबालें। इसे छानकर पिएं। गिलोय की आप सूख पाउडर के तौर पर भी खा सकते हैं। इसके लिए आप इसे रातभर पानी में भिगोएं। सुबह इसे चौथाई रह जाने तक उबालें और फिर छानकर पिएं।

ये पिलाटेस एक्सरसाइज घर पर करें और फ्लेक्सिबल बॉडी पाएं

पिछले कुछ सालों से फिट रहने के लिए पिलाटेस को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। यहां तक कि फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेसेस जैसे कैटरीना कैफ, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण आदि भी खुद को फिट रखने के लिए पिलाटेस एक्सरसाइज करती हैं। इसकी शुरुआत 20वीं सदी में जोसेफ पिलाटेस ने की थी। इसलिए इसे पिलाटेस के नाम जाना जाता है। रोजाना पिलाटेस करके आप शरीर को फ्लेक्सिबल और मजबूत बना सकते हैं। इससे वजन भी तेजी से कम होता है।

रोल अप एक्सरसाइज

- इसे करने के लिए पीठ के बल जमीन पर लेट जाएं।
- बाजुओं को ऊपर की ओर फैला लें।
- सांस लें और सांस को छोड़ते हुए सिर, गर्दन और कंधों को जमीन से ऊपर उठाएं।
- अब हाथों से पैरों को छूने की कोशिश करें।
- इस एक्सरसाइज को करते हुए मेन मसल्स को शामिल करें।

मरमेड स्ट्रेच

- मरमेड स्ट्रेच शरीर को फ्लेक्सिबिल बनाता है और कोर को मजबूत बनाता है।
- इसे करने के लिए साइड करवट से बैठ जाएं।
- दाएं घुटने को मोड़ें और बाएं को उसके ऊपर रखें।
- फिर दाएं हाथ की मदद से शरीर को ऊपर उठाएं।
- बाएं हाथ को सिर के पीछे स्ट्रेच करें।
- फिर सीधे नॉर्मल पोजिशन में वापस आ जाएं।

सॉ मूवमेंट्स

- इसके लिए पीठ को सीधा करके और पैरों को सामने की ओर फैलाकर बैठ जाएं।
- अब बाएं हाथ से दाएं पैर को छूने की कोशिश करें।
- ऐसा करते हुए आपका बायां हाथ पीछे की ओर होना चाहिए।
- फिर दूसरे हाथ से एक्सरसाइज को दोहराएं।

स्वान स्ट्रेच

- स्वान स्ट्रेच पीठ की मसल्स को मजबूत करता है और पोश्चर में सुधार करता है।
- पीठ के बल लेट जाएं।
- हाथों को सामने की ओर स्ट्रेच करें।
- अब हाथों की मदद से शरीर को ऊपर की ओर उठाएं।
- फिर नीचे आकर माथे को जमीन पर लगाएं।
- इस एक्सरसाइज को कई बार दोहराएं।

रोलिंग लाइक बॉल

- एक्सरसाइज करने से रीढ़ की हड्डी की मालिश होती है, बैलेंस में सुधार होता है और कोर एक्टिव होता है।
- इसे करने के लिए पीठ को सीधा करके जमीन पर बैठ जाएं।
- दोनों हाथों से पिंडलियों को पकड़ लें।
- रीढ़ की हड्डी को अपने सिर के साथ झुकाएं।
- अपनी चिन को थोड़ा नीचे करें।
- फिर बॉल की तरह बॉडी को रोल करें।
- इस एक्सरसाइज को कई बार करें।

वजन होगा तेजी से कम रोजाना खाएं यह मौसमी फल

सर्दियों की शुरुआत होने लगी है। धीरे-धीरे मौसम में बदलाव के साथ सर्दियां खा जाएंगी और कई मौसमी फल व सब्जियां आपको बाजार में दिखने लगेंगे। बदलते मौसम के साथ बाजार में आने वाली फल और सब्जियां, सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। यूं भी एक्सपर्ट्स मौसम के हिसाब से डाइट में बदलाव करने और मौसमी फल-सब्जियों को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। इस समय पर बाजार में एक फल आने लगता है, जिसमें कई गुण छिपे हैं। साथ ही, यह फल महिलाओं के लिए वरदान है और वेट लॉस में कारगर है।

वेट लॉस के लिए सिंघाड़ा

- सिंघाड़े में कैलोरीज और फैट बहुत कम होता है। अगर आप वेट लॉस की कोशिश कर रही हैं, या फिर हेल्दी डाइट फॉलो करना चाहती हैं, तो यह आपकी मदद कर सकता है।
- यह डाइटरी फाइबर का अच्छा सोर्स है। इससे डाइजेशन सुधरता है और पेट भरा हुआ लगता है। इसलिए वेट लॉस डाइट प्लान में एक्सपर्ट, सिंघाड़े को शामिल करने की सलाह देती हैं।
- सिंघाड़े में पोटिशयम, मैग्नीज, कॉपर, विटामिन बी6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इसलिए यह शरीर में कमजोरी भी नहीं होने देता है।
- सिंघाड़े में फाइबर अधिक होने की वजह से यह बाउल मूवमेंट को सुधारता है और आंतों की सेहत के लिए अच्छा होता है।
- सिंघाड़े में लगभग 74 प्रतिशत वॉटर कंटेट होता है, जिसकी वजह से यह हमारी शरीर के सभी फंक्शन्स में मदद करता है और बॉडी को हाइड्रेट रखता है।
- अगर आप लगभग 1 कप सिंघाड़ा खाती हैं, तो इससे शरीर को लगभग 90 कैलोरी ऊर्जा मिलती है। इसमें फैट बिल्कुल नहीं होता है और कार्ब्स लगभग 20 ग्राम व फाइबर लगभग 5-6 ग्राम होता है, जो डाइजेशन को मजूबत बनाता है।
- इसमें मौजूद फाइबर की वजह से यह ब्लड प्रेशर और हार्ट फंक्शन के लिए भी फायदमंद है।
- सिंघाड़े का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी बहुत कम होता है, जिसकी वजह से यह ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने के लिए भी अच्छा होता है।
- सिंघाड़े की तासीर ठंडी होती है। आयुर्वेद के अनुसार, पित्त दोष की अधिकता होने पर यह फायदेमंद होता है और मोटापा भी कम करता है।

वेट लॉस के लिए सिंघाड़ा कैसे खाएं?

- सिंघाड़े को आप इस मौसम में रोज खा सकती हैं।
- सिंघाड़े का आटा भी वेट लॉस के लिए अच्छा होता है।
- इसकी तासीर ठंडी होती है, इसलिए इसे दिन में खाना ज्यादा अच्छा होता है।

वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाने वाली गुजराती गैंग की महिला सदस्य गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जवाहर नगर थाना पुलिस ने बुजुर्ग महिलाओं को झांसा देकर उनके गहने पार करने वाली एक शातिर गुजराती गैंग की मुख्य महिला सदस्य को गिरफ्तार किया है। यह गैंग ऑटो में लिफ्ट देने के बहाने कटर से गहने काटकर चोरी की वारदातों को अंजाम देती थी। फिलहाल आरोपित महिला से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस ने बुजुर्ग महिलाओं को झांसा देकर उनके गहने पार करने वाली एक शातिर गुजराती गैंग की मुख्य महिला सदस्य चन्द्राबेन उर्फ चंदा देवी निवासी भावनगर, गुजरात हाल सदर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया कटर बरामद कर लिया है। पुलिस को अंदेशा है कि इस गैंग ने शहर के अन्य इलाकों में भी बुजुर्ग महिलाओं को अपना निशाना बनाया है, जिसके संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि इस गैंग का काम करने का तरीका बेहद शातिर है। ये लोग ऑटो में एक महिला साथी को साथ रखते थे ताकि अकेली खड़ी वृद्ध महिलाओं को विश्वास में लिया जा सके। रास्ते में बातों में उलझाकर ये कटर की मदद से वृद्धा के सोने के गहने काट लेते थे और फिर कोई बहाना बनाकर उन्हें बीच रास्ते में ही उतारकर फरार हो जाते थे। थानाधिकारी सरला यादव ने बताया कि 22 मार्च 2026 को परिवादिया जयश्री सेवानी जवाहर नगर में सत्संग सुनकर घर जाने के लिए साधन का इंतजार कर रही थीं। तभी एक पीले रंग के ऑटो में सवार आरोपियों ने उन्हें जगतपुरा छोड़ने का झांसा देकर बैठा लिया और रास्ते में उनके हाथ से सोने की चूड़ी काटकर चोरी कर ली। जिस पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल और एसीपी लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में टीम गठित की गई। पुलिस ने पूर्व में इस मामले में एक आरोपित सोलंकी किश दिनेश भाई को गिरफ्तार कर चूड़ी बरामद कर ली थी। अब उसकी मुख्य साथी चन्द्राबेन उर्फ चंदा देवी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

आबकारी निरोधक दलों ने की 1 लाख 59 हजार 96 लीटर वॉश नष्ट

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत व्यापक कार्रवाई की है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देश पर 1 से 6 मई 2026 तक चलाए गए अभियान में प्रदेशभर में 742 अभियोग दर्ज कर 207 लोगों को गिरफ्तार किया गया। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के अनुसार इय अभियान के दौरान 9.07 लाख रुपए मूल्य की 3378.28 लीटर देशी शराब, 8.22 लाख रुपए की 824.83 लीटर भारत निर्मित विदेशी शराब, 2.98 लाख रुपए की 1361.55 लीटर बीयर तथा 4388 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। साथ ही 1.59 लाख लीटर से अधिक वॉश नष्ट किया गया। विभाग ने कार्रवाई के दौरान 2 चारपहिया और 10 दुपहिया सहित कुल 12 वाहन भी जब्त किए। आबकारी विभाग ने डूंगरपुर में एक बोलेरो वाहन से 10 कार्टन बीयर बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं बीकानेर, हनुमानगढ़, चूरू और श्रीगंगानगर जिलों में दबिश देकर 9 मामले दर्ज किए गए तथा 5 आरोपियों को पकड़ा गया। इस दौरान 4100 लीटर वॉश और 5 भट्टियां नष्ट की गईं, जबकि 92 लीटर हथकड़ शराब और 195 पव्वे देशी शराब बरामद हुए। ब्यावर में आबकारी निरोधक दल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध भट्टी पर दबिश देकर 55 लीटर हथकड़ शराब बरामद की। मेड़ता सिटी में 300 लीटर वॉश नष्ट कर 5 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। धौलपुर में ईपीएफ दल ने 6 लीटर अवैध शराब के साथ एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेशभर में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नाकाबंदी, दबिश और सघन गश्त लगातार जारी रहेगी।

संख्याक 6
न्यायालय जिला कलेक्टर महोदय,
झुन्झुनू (राज.)
निलेश . . . . बनाम . . . . राजस्थान सरकार आदि
अपील विरूद्ध नामांतरण संख्या 2492

मु.नं. 337/2025
प्रेषित:-

1. कृष्ण गोपाल पुत्र रामानन्द
2. मदनलाल पुत्र रामानन्द
3. लता देवी मूंथला पुत्री मोहनलाल
4. हरिश चन्द्र पुत्र मोहनलाल

समस्त निवासीगण बगड़, तहसील व जिला झुन्झुनू (राज.)

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में नामांतरण संख्या 2492 की अपील निलेश द्वारा प्रस्तुत की गई है और इस न्यायालय में दर्ज रजिस्टर कर ली गई और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा दिनांक 20-5-26 नियत की गई है यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपका प्लीडर या आपके कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होता है तो यह अपील आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चय की जायेगी। यह आज दिनांक 1384/6-5-26 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

आज्ञा से
न्यायालय जिला कलेक्टर महोदय,
झुन्झुनू (राज.)

नाम परिवर्तन

मैं सरिता खरिंटा उम्र 45 साल, पत्नी श्री सज्जन सिंह जाट, निवासी मकान नं. A,157 वार्ड नंबर 1, बंसत विहार झुंझुनू, जिला झुंझुनू, राजस्थान, हर आम खास को सूचित करती हूं कि अभय (ABHAY) मेरा जायदां पुत्र है तथा मेरे पुत्र अभय के विद्यालय रिकॉर्ड में भूल वश माताजी यानी कि मेरा नाम सरिता दर्ज हो गया। मेरा सरनेम खरिंटा दर्ज नहीं हुआ अब मैं मेरे पुत्र अभय के विद्यालय रिकॉर्ड में मेरा नाम सरिता खरिंटा (SARITA KHARINTA) दर्ज करवाना चाहती हूं। तथा भविष्य में मेरा नाम सरिता खरिंटा (SARITA KHARINTA) के नाम से जाना व पहचाना जावें।

नाम परिवर्तन

मैं आरिफ खान पुत्र झिण्डू खान भिश्ती निवासी देरवाला जिला झुंझुनू राज.। मैने मेरा नाम आरिफ से बदलकर आरिफ खान रख लिया है अत: भविष्य में मुझे आरिफ खान के नाम से जाना व पहचाना जावे। सभी उद्देश्यों के लिए।

तपती धूप में राहत : यातायात प्रहरियों को बाटे छाते और पानी की बोतलें

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी की सड़कों पर चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने वाले यातायात पुलिसकर्मियों की सेहत का ख्याल रखते हुए जयपुर पुलिस ने विशेष पहल की है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशों पर गुरुवार को फील्ड में तैनात जवानों को पानी की बोतलें और छाते वितरित किए गए।

डीसीपी ने खुद संभाला मोर्चा

इस अभियान का आगाज करते हुए डीसीपी यातायात योगेश गोयल स्वयं 22 गोदाम चौराहा, राममंदिर चौराहा और पोलो सर्किल जैसे प्रमुख यातायात पॉइंट्स पर पहुँचे। वहां उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से मुलाकात कर उन्हें छाते और बोतलें प्रदान कीं। उन्होंने एसीपी और उपनिरीक्षकों को भी निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जवानों को ये राहत सामग्री पहुँचाएं।

सम्मान का प्रतीक है यह सहयोग

इस अवसर पर डीसीपी ने कहा कि समाज और व्यापारिक संगठनों द्वारा किया गया यह छोटा सा सहयोग पुलिसकर्मियों के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा दक्षिण, समीर दुबे पश्चिम, डॉ हरी प्रसाद सोमानी उत्तर, धानुका ग्रुप के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मित्तल, उपाध्यक्ष पवन सैनी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल

पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर यातायात योगेश दाधीच के नेतृत्व में शुरू किए गए इस अभियान में भामाशाहों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके चलते धानुका ग्रुप और सीकर रोड व्यापार महासंघ ने सामाजिक सरोकार के तहत यह सहयोग प्रदान किया है। धानुका ग्रुप की ओर से 750 पानी की बोतलें और सीकर रोड व्यापार महासंघ की ओर से 100 बोतलें व 200 छाते उपलब्ध कराए गए हैं।

विनम्रता से होती है ज्ञान की प्राप्ति : आचार्य महाश्रमण

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। तेरापंथ धर्मसंघ के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने गुरुवार को सुधर्मा सभा में शिक्षा के बाधक तत्त्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि श्रुत का भी अपना महत्त्व है। एक अल्प श्रुत होता है और एक बहु श्रुत होता है।

अल्पश्रुत अर्थात् कम ज्ञान रखने वाला और बहुत ज्ञानी आदमी बहुश्रुत होता है। जो शास्त्रज्ञ हो, जो शास्त्रों की गहराई में पैठने वाला हो, ऐसा व्यक्ति बहु श्रुत बन सकता है। श्रुत की आराधना बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। श्रुत की आराधना करने वाले जिनेश्वर भगवान की आराधना करने वाले होते हैं।

बारह प्रकार के बताए गए तपों में स्वाध्याय के समान कोई तप नहीं है। ज्ञान की आराधना को अविरल बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। शास्त्र में शिक्षा के पांच बाधक तत्त्व बताए गए हैं। इनमें पहला है-अहंकार। ज्ञान प्राप्ति में अहंकार बाधक होता है। शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षक के प्रति यदि कोई अविनय का भाव रखता तो उसे ज्ञान की प्राप्ति कैसे हो सकती है? अविनीत को कैसे ज्ञान प्राप्त हो सकता है। विनम्र होने से ज्ञान की प्राप्ति संभव हो सकती है।

आचार्यश्री के प्रवचन से पूर्व साध्वीवृंद ने प्रज्ञा गीत का संगान किया। तदुपरान्त शासन गौरव साध्वी राजीमती ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी।

चोरी हुई स्कॉर्पियो बरामद कर दो शातिर गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। माणक चौक थाना पुलिस ने जलेबी चौक से चोरी हुई स्कॉर्पियो कार को सीकर के पास से बरामद कर गुजरात निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपितो से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 5 मई को एक पर्यटक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी स्कॉर्पियो कार लेकर जयपुर घूमने आया था। उसने अपनी गाड़ी जलेबी चौक स्थित पार्किंग में खड़ी की थी लेकिन थोड़ी देर बाद लौटने पर गाड़ी वहां से नदारद मिली। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त उत्तर-प्रथम नीरज पाठक और सहायक पुलिस आयुक्त माणक चौक पीयूष कविया के निर्देशन में थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फुटेज और तकनीकी विश्लेषण से पता चला कि दो युवक कार चोरी कर जयपुर से बाहर निकले हैं। पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की गई कार सीकर की ओर जा रही है। इस पर टीम को तुरंत रवाना किया गया और सीकर के रानोली टोल नाके पर घेराबंदी की गई। पुलिस ने बिना रुके पीछा करते हुए कार को रुकवाया और उसमें सवार दीप नारायण मिश्रा निवासी राजेश्वरी सोसायटी अहमदाबाद, गुजरात और रितेश मिश्रा निवासी रोहतास बिहार हाल निवासी साबरमती अहमदाबाद, गुजरात को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है कि वे जयपुर में किसी बड़े गैंग से जुड़े हैं या पहले भी ऐसी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

विश्व थैलेसीमिया दिवस : समय पर जांच और बोन मैरो ट्रांसप्लांट से बच सकती हैं नन्हीं जिंदगियां

निसं

जयपुर (नवयत्न)। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर विशेषज्ञों ने थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों और बोन मैरो ट्रांसप्लांट बीएमटी की मदद से अब थैलेसीमिया का स्थायी उपचार संभव हो चुका है। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के वरिष्ठ ब्लड कैंसर एवं बीएमटी विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों को हर 15 से 20 दिन में रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। लगातार रक्त चढ़ाने से शरीर में आयरन बढ़ जाता है, जिससे हृदय, लिवर और हार्मोन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट थैलेसीमिया का सबसे प्रभावी और स्थायी उपचार माना जाता है। इसमें खराब बोन मैरो को स्वस्थ स्टेम सेल्स से बदला जाता हैए जिससे शरीर सामान्य रक्त बनाना शुरू कर देता है। भाई-बहन में मैचिंग डोनर मिलने पर सफलता दर अधिक रहती है, वहीं अब हैप्लो-आइडेंटिकल ट्रांसप्लांट तकनीक से परिवार के अन्य सदस्यों से भी ट्रांसप्लांट संभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि कम उम्र में ट्रांसप्लांट बेहतर परिणाम देता है और सफल उपचार के बाद बच्चे सामान्य जीवन जी सकते हैं।

राजस्थान सरकार की मां योजना और केंद्र सरकार के कोल इंडिया प्रोग्राम के तहत थैलेसीमिया मरीजों का नि:शुल्क बीएमटी भी किया जा रहा है। बीएमसीएच की बाल कैंसर एवं रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवानी माथुर ने बताया कि थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में छह माह से एक वर्ष की उम्र में ही खून की कमी के लक्षण दिखने लगते हैं। इनमें अत्यधिक कमजोरी, चेहरा पीला पड़ना, बार-बार संक्रमण, भूख कम लगना, वजन और लंबाई का सही विकास नहीं होना, पेट फूलना और जल्दी थकान शामिल हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि बच्चे में ऐसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत थैलेसीमिया जांच करानी चाहिए। उन्होंने विवाह पूर्व और गर्भावस्था के दौरान थैलेसीमिया स्क्रीनिंग को भी जरूरी बताते हुए कहा कि यदि दोनों माता-पिता थैलेसीमिया माइनर हों तो बच्चे में थैलेसीमिया मेजर होने का खतरा 25 फीसदी तक रहता है। समय पर जांच और जेनेटिक काउंसलिंग से इस बीमारी की रोकथाम संभव है।

जुआघर चलाने वाला मुख्य सरगना गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर ने आमागढ क्षेत्र में अवैध जुआघर चलाने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो पिछले दो महीनों से पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 23 फरवरी 2026 को पर्वत कॉलोनी आमागढ़ में एक मकान की दूसरी मंजिल पर बिना लाइसेंस के जुआ खेलते हुए 13 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया था। उस समय पुलिस ने मौके से 120620 रुपये की नकदी और ताश की पत्तियां बरामद की थीं। हालांकि जुआघर का असली मालिक और मुख्य आयोजक मोहसीन कुरैशी उस दौरान फरार होने में कामयाब रहा था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व आलोक सिंघल और सहायक पुलिस आयुक्त आदर्शनगर लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में थानाधिकारी अरुण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना पर लगातार दबिश दी। पुलिस ने फरार आरोपी मोहम्मद मोहसिन कुरैशी को आमागढ पर्वत कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक जुआ अध्यादेश की धारा 3/4 और बीएनएस की धारा 112(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि वह इस अवैध कारोबार को किसके संरक्षण में चला रहा था और क्या इसके तार शहर के अन्य जुआघरों से भी जुड़े हैं।

द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत कल

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति श्रीमाधोपुर के तत्वाधान में शनिवार को न्यायालय परिसर, श्रीमाधोपुर मुख्यालय स्थित समस्त न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य सिविल, फौजदारी प्रकरणों, एमएसीटी, पारिवारिक प्रकरण, घरेलू हिंसा, 138 एनआईएक्ट एवं प्री-लिटिगेशन बैंक, बीमा कम्पनियों एवं बीएसएनएल, एवीवीएनएल अजमेर आदि प्रकरणों का निस्तारण आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जावेगा। समिति अध्यक्ष गीता पाठक एडीजे श्रीमाधोपुर ने बताया कि न्याय क्षेत्र में 3 राष्ट्रीय लोक अदालत बैचों का गठन किया गया हैं। जो श्रीमाधोपुर एवं खण्डेला न्यायालय परिसर में प्रकरणों की सुनवाई करेगी। जो पक्षकार राजीनामा के जरिये न्यायालय में लंबित अपने प्रकरणों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से करवाना चाहते हैं।

कार्यालय नगर परिषद, सीकर (राज०)

Add:- NEAR ABMEDKAR CIRCLE Sikar Pin 332001
Email:- sikarulb.jaipur@gmail.com

क्रमांक : 1141 दिनांक :- 04.05.2026

निविदा सूचना सं. 09/2026-27

नगर परिषद, सीकर द्वारा शहर के ठोस कचरा प्रबन्धन के तहत गीले व सूखे कचरे के निस्तारण हेतु डीपीआर बनाने के लिए कंसलटेंसी सर्विस हेतु व्यक्ति/संस्था/फर्म से ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य से संबंधित शर्तें एवं विवरण नगर परिषद कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखा जा सकता है। कार्य का विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

निविदा विक्रय तिथि	दिनांक 13.05.2026 प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक
निविदा जमा तिथी	दिनांक 14.05.2026 सायं 03:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 14.05.2026 सायं 05:00 बजे से

NIB CODE :- DLB2627A1366

S.NO.	UBN NO.
1	DLB2627SSOB03781

निविदा संबंधी विवरण का अवलोकन नगर परिषद सीकर कार्यालय एवं वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है

राज.संवाद/सी/26/2286 वरिष्ठ आयुक्त, नगर परिषद, सीकर

जयपुर-आबू धाबी की दूसरी फ्लाइट फिर शुरू

एतिहाद एयरवेज की सेवा बहाल होने से पैसेंजर्स को राहत, ईरान-अमेरिका तनाव के चलते 1 मार्च को कर दी थी बंद

जयपुर।

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से खाड़ी देशों के लिए एयर कनेक्टिविटी एक बार फिर पटरी पर लौटने लगी है। लंबे समय से बंद पड़ी अबू धाबी की दूसरी फ्लाइट सेवा अब दोबारा शुरू कर दी गई है। एतिहाद एयरवेज की फ्लाइट ईवाई- 328 और ईवाई-329 के दोबारा संचालन शुरू होने से पैसेंजर्स को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, ईरान-अमेरिका तनाव और युद्ध जैसे हालात के चलते खाड़ी देशों के लिए कई उड़ानों के संचालन पर असर पड़ा था। इसी के चलते एतिहाद एयरवेज की यह फ्लाइट भी 1 मार्च से बंद कर दी गई थी। लेकिन अब क्षेत्र में सीजफायर और हालात सामान्य होने के बाद एयरलाइंस कंपनियां धीरे-धीरे अपनी सेवाएं फिर से बहाल कर रही हैं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड खण्डेला (सीकर)

Email ID-xenphedkdl@gmail.com

कमांक:एफ( )निविदा/2025-26/259-69 दिनांक:- 04.05.2026

ई-निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग में पंजिकृत डी एंव उच्य श्रेणी के संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑन लाईन वेबसाईट http://www.eoroc.rajasthan.gov.in से दिनांक 18.05.2026 को सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है। ऑन लाईन निविदाएं इसी वेबसाइट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा 18.05.2026 को सायं 6:00 बजे तक जमा कराये जा सकते है। वेबसाईट पर तकनीकी बिड दिनांक 19.05.2026 को इस कार्यालय में प्रात: 11:00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्यदिवस को उसी समय पर तकनीकी बिड खोली जावेगी। इच्छुक संवेदको को अपने डिजीटल (DSC) हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://www.eproc. rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

निविदा संख्या	विवरण	निविदा की अनु. लागत (रू. लाख)	धरोहर राशि (रूपये)	निविदा शुल्क (रूपये)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	NIB No	UBN No
03/2026-27	Operation of Pump House at River, Reengus of UWSS Reengus Sub Division Reengus under Sub Division Reengus for a period of 12 Months under the jurisdiction of PHED Division Khandela.	8.84	17680	500	12 माह	PHE2627 A0376	PHE2627 WSRC00781
04/2026-27	Annual Rate Contract for Operation of Reengus City Pump House of Urban water supply scheme Reengus Sub Division Reengus for a period of 12 Months under the jurisdiction of PHED Division- Khandela.	6.98	13968	500	12 माह	PHE2627 A0376	PHE2627 WSRC00782

अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांन्त्रिकी विभाग
खण्ड खण्डेला

DIPR/C/8007/2026

एचपीवी टीकाकरण : बेटियों ने दिखाई हिम्मत, भ्रांतियों पर लगाया विराम

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। जिले में 14 से 15 वर्ष तक की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचान के लिए चल रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान को लेकर जन जागरूकता अभियान अब एक सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनता जा रहा है। पहले जहां अभिभावकों और छात्राओं में वैक्सीन को लेकर संकोच और भ्रांतियां थी, वहीं लगातार संवाद, समझाइश और सही जानकारी के बाद अभिभावक आगे बढ़कर अपनी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि इस पहल की खास बात यह है कि इसे केवल टीकाकरण कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा गया बल्कि इसे एक व्यापक जन जागरूकता अभियान का रूप दिया गया। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जिले के सरकारी व प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं, कोचिंग संस्थानों में जाकर बेटियों, अभिभावकों से मिलकर उनको वैक्सीन का महत्व

बता रहे हैं। साथ ही एचपीवी वैक्सीन लगवाने वाली बच्चियां भी अपनी सहेली और अभिभावक आस पड़ौस में रहने वाले अन्य पात्र बालिकाओं को वैक्सीनेशन करवाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। जिले के विद्यालयों में छात्राओं को एचपीवी संक्रमण, इसके दीर्घकालिक दुष्प्रभाव और सर्वाइकल कैंसर के खतरे के बारे में सरल भाषा में विभाग के अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा समझाया जा रहा है। साथ ही विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफार्म (यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स) के जरिये बालिकाओं के संदेश और आमजन में फैली गलत धारणों को तथ्यों के आधार पर दूर किया जा रहा है। सोशल मीडियो पर जिला प्रशासन, धर्म गुरूओं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने आमजन से की अपील आ असर और एचपीवी का टीका लगवाने के बाद बेटियों के अनुभव तथा अन्य को प्रेरित करते के संदेश प्रसारित किए गए, जिसका परिणाम यह रहा कि अब अभिभावक आगे आ रहे हैं। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों और अध्यापकों के माध्यम से अभिभावकों को जोड़ा गया है, जिससे उनके मन में मौजूद शंकाएं दूर हो सकें। यहीं कारण है कि छात्राओं ने न केवल स्वयं टीकाकरण करवा रही है बल्कि अन्य साथियों को भी इसके लिए प्रेरित कर रही है। यह पहल अब एक पीयर मोटिवेशन मॉडल के रूप में उभर रही है, जहां एक छात्रा दूसरी के लिए प्रेरणा बन रही है। इस अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ साथ अध्यापकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी अहम योगदान रहा, जिन्होंने घर घर जाकर और व्यक्तिगत स्तर पर संवाद कर लोगों जागरूक रहे हैं। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन किशोरावस्था में लगवाना सबसे अधिक प्रभावी रहता है और यह भविष्य में सर्वाइकल कैंसर से बचाव का मजबूत कवच प्रदान करता है। यदि इस तरह के प्रयास निरंतर जारी रहें तो आने वाले समय में इस गंभीर बीमारी के मामलों में खासा कमी लाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि बेटियां का भविष्य सुरक्षित व सुनहरा करने के लिए जिले के चयनित कोल्ड चैन प्वाइंट वाले 100 सरकारी अस्पतालों में यह एचपीवी वैक्सीन निशुल्क लगाई जा रही है। इन सरकारी चिकित्सालयों में ओपीडी समय में जाकर अभिभावक कभी भी अपनी बेटियां को यह टीका लगवा सकते हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर हुई मॉक ड्रिल

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मॉक ड्रिल करवाई गई। अस्पताल प्रभारी डॉ वरुण वर्मा ने बताया की मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में अग्नि दुर्घटना जैसी आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्टॉफ सदस्यों एवं कर्मचारियों की जानकारी प्रदान करना रहा। नर्सिंग ऑफिसर रचना ने मॉक ड्रिल के दौरान अस्पताल में आग लगने की काल्पनिक स्थिति तैयार कर स्टाफ को तत्काल अलर्ट जारी करने, मरीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने, फायर अलार्म सिस्टम सक्रिय करने तथा अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मॉक ड्रिल के दौरान नर्सिंग ऑफिसर रचना ने अस्पताल के स्टाफ सदस्यों एवं कर्मचारियों को सक्रिय भागीदारी निभाकर आग बुझाने के आधुनिक तरीकों एवं प्राथमिक सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग अधेड़ ने दी जान

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर ग्रामीण जिले के रेनवाल थाना क्षेत्र में सूदखोरी से परेशान होकर एक अधेड़ व्यक्ति द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक ने आत्महत्या से पहले व्हाट्सएप पर सुसाइड नोट भेजकर कई लोगों पर मानसिक प्रताड़ना और जान से मारने की धमकियां देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। रेनवाल थानाधिकारी नरेश कंवर के अनुसार मृतक मोहनलाल बारावाल निवासी जोधपुरा, रेनवाल ने आत्महत्या से पूर्व लिखे सुसाइड नोट में बताया कि उसने मूलधन से कई गुना अधिक रकम चुका दी थी लेकिन इसके बावजूद उसे सूदखोरों से छुटकारा नहीं मिल रहा था। आरोप है कि लगातार रुपए मांग कर मानसिक दबाव बनाया जा रहा था और जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही थी। सुसाइड नोट में करोड़ों रुपए के लेनदेन और सूदखोरी के हिसाब-किताब का भी उल्लेख किया गया है। मृतक ने लिखा कि आत्महत्या के अलावा मेरे पास कोई और रास्ता नहीं बचा था। साथ ही जिला प्रशासन और राज्य सरकार से सूदखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की। मामले में परिजनों ने करीब पांच नामजद लोगों के खिलाफ रेनवाल थाने में मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि रुपए के लेनदेन को लेकर मृतक को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और आत्महत्या के लिए उकसाया गया।

घटना के बाद परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक पोस्टमार्टम नहीं कराया जाएगा। मृतक का शव उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। थानाधिकारी नरेश कंवर मौके पर पहुंचकर परिजनों से समझाइश के प्रयास किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और सुसाइड नोट की भी जांच की जा रही है।

सरस निकुंज में अष्टयाम सेवा महोत्सव शुरू

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सुभाष चौक पानो का दरीबा स्थित श्री शुक सम्प्रदाय आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज के पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में गुरुवार को ठाकुर श्री राधा सरस विहारी जू सरकार का अष्टयाम सेवा महोत्सव शुरू हुआ। महोत्सव की शुरुआत श्री शुक सखी जी के प्राकट्य एवं शयन कुंज से हुई। श्री शुक सखी के प्राकट्य के पारंपरिक पदों का गायन किया गया। शयन कुंज की गुप्त लीला के दर्शन चुनींदा भक्तों को ही कराए गए।

श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि ठाकुरजी के कुछ लीला प्रसंग गोपनीय रखे गए हैं। अष्टयाम सेवा में ऐसे कई प्रसंग है जो केवल ठाकुरजी और आचार्य तक ही सीमित है। ये प्रसंग भक्त और भगवान के अंतरंग मिलन को और अधिक प्रगाढ़ अष्टयाम सेवा महोत्सव में आठ मई को प्रात: मंगला, खिचड़ी भोग और फुलवारी दर्शन, 9 मई को कुंज स्नान, श्रृंगार, चंदन श्रृंगार, चौसर खेल एवं रथ यात्रा के आयोजन होंगे। 10 मई को प्रियाजी और लालजी के प्राकट्य, पालकी दर्शन, राजभोग, अन्नकूट एवं फूल कुंज शयन के कार्यक्रम होंगे। 11 मई को उत्थापन, जलकेली, नौका विहार, बसंत होली और डोल उत्सव आयोजित होंगे जबकि 12 मई को वन विहार, फूल बंगला, झूला उत्सव, संध्या आरती एवं दीपमालिका होगी। 13 मई अपरा एकादशी को रास महोत्सव, 14 मई को ब्यारु भोग, विवाह महोत्सव मनाया जाएगा।

15 मई को आचार्य जयंती महोत्सव, शयन कुंज के साथ कार्यक्रमों का समापन होगा। इसके बाद 16 मई को अमावस्या पर प्रात: विशेष उत्सव आयोजित किया जाएगा।

बंद मकानों में चोरी करने के दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी पुलिस ने गुरुवार को कस्बे में बंद मकानों में चोरी करने के मामले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सामान भी बरामद किया है।

थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि 30 अप्रैल को संजय कुमार शर्मा निवासी करोल बाजार खेतड़ी ने रिपोर्ट दी कि वह अपने बंद मकानों को सम्भालने आया तो मकानों के दरवाजे खुले थे मकानों में अलमारी से एलईडी टीवी, चॉदी के सिक्के, कुलर किट मोटर, बर्तन नये पुराने व चांदी के पायजेब व नकदी आदि सामान अज्ञात चोर चोरी करके ले गये। कस्बे में लगातार हो रही चोरियों को लेकर एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने थानाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया तथा पुलिस टीम में पूर्व में खेतड़ी थाने में रहे कांस्टेबल राजवीर सिंह व एचसी चौखाराम को शामिल किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से काफी प्रयास के बाद आरोपी असलम खान निवासी वार्ड नं 8 खेतड़ी व राहुल ऊर्फ डंका ऊर्फ बाबु निवासी वार्ड 4 तालाब का मौहल्ला खेतड़ी थाना खेतडी को गिरफ्तार किया गया।

इस दौरान पुलिस ने उनसे सख्ती से पुछताछ करने पर चोरी की वारदातें करना कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एलईडी टीवी, कुलर मोटर, बर्तन सेट आदि सामान बरामद किया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी मोहनलाल, एएसआई कैलाश कुमार, एचसी पवन, चौखाराम, राजवीर सिंह, अनिल आदि शामिल थे। चोरी की वारदात का खुलासा करने में एचसी चोखाराम व कांस्टेबल राजवीर सिंह की विशेष भूमिका रही।

खनक अग्रवाल ने बाल महोत्सव में किया प्रतिनिधित्व

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। श्री गंगाराम बालकिशन मोदी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी खनक अग्रवाल ने जयपुर में आयोजित जयपुर बाल महोत्सव 2026 में भाग लेकर अपने जिले का प्रतिनिधित्व किया। 4 से 6 मई तक चले इस तीन दिवसीय महोत्सव में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए बच्चों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और स्थानीय पहचान को मंच पर प्रस्तुत किया। सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में आयोजित इस महोत्सव में प्रतिभागियों ने अपने-अपने जिलों की कला, संस्कृति, परंपरा, स्थानीय पर्यटन और जीवनशैली की झांकियों, स्टॉल और लाइव प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस दौरान बच्चों को अपने क्षेत्र को नए नजरिए से समझने और उसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिला। प्रतिभागी खनक अग्रवाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस मंच ने उन्हें अपने जिले की विशेषताओं को पहचानने और उसे रचनात्मक रूप में प्रस्तुत करने की प्रेरणा दी विद्यालय श्री गंगाराम बालकिशन मोदी पब्लिक स्कूल के लिए यह गर्व का विषय है कि उनके छात्र ने राज्य स्तरीय मंच पर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। महोत्सव के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए, जिससे बच्चों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में स्थानीय पहचान, नवाचार सोच और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देना था।

डिजिटल बाल मेला की संस्थापक जान्हवी शर्मा के अनुसार यह मंच बच्चों को अपने परिवेश को समझते हुए उसे नए आयाम देने का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे भविष्य में अपने क्षेत्र और समाज के लिए सकारात्मक योगदान दे सकें।

कॉग्निवेरा के संस्थापक कमलेश शर्मा ने पर्यटन में करियर बनाने वाले बच्चों को स्कालरशिप देने का ऐलान किया है।

तहसील मुख्यालय पर बाबा साहेब की मूर्ति लगाने की मांग

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय डॉ भीमराव अंबेडकर सेवा समिति ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति तहसील मुख्यालय पर लगाए जाने की मांग की है। उपखंड अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार असलम खान को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया है कि आजादी के बाद से ही सर्व समाज के नागरिकों एवं नगर परिषद सुजानगढ़ की बोर्ड की मीटिंग में पक्ष-विपक्ष के तमाम सदस्यों सहित सांसद, विधायक, सभापति सहित नेता प्रतिपक्ष की मौजूदगी में और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेवा समिति द्वारा भी पिछले करीब एक दशक से समय समय पर ये मांग उठती रही है। ज्ञापन सौंपते वक्त सुरजाराम डाबरिया, अनिल सुवासिया, दीपाराम सांडेला, किशनलाल कटारिया, एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, पूनम चन्द मेघवाल, एडवोकेट तिलोकचंद मेघवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री ने किया जवानों का अभिनंदन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर गुरुवार को गुलाबी नगरी जयपुर देश भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। एक वर्ष पूर्व सात मई को भारतीय सेना ने सीमा पार आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर पूरी दुनिया को भारत की सैन्य ताकत और रणनीतिक क्षमता का अहसास कराया था। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमान में संयुक्त कमांडर्स सम्मेलन का आयोजन किया गया।

जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाग लिया। जयपुर पहुंचने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़ तथा उद्योग एवं

वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ भी मौजूद रहे। सप्त शक्ति कमान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, रणनीतिक उपलब्धियों और वीर जवानों के साहस को याद किया गया। साथ ही उन सैनिकों को श्रद्धांजलि और सम्मान अर्पित किया गया, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपने अदम्य साहस का परिचय दिया। राजस्थान की वीर भूमि का सेना से सदैव गहरा संबंध रहा है। पाकिस्तान से लगती लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा के कारण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर और फलोदी जैसे सीमावर्ती जिले सुरक्षा दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण केंद्र बने रहे। भारतीय सेना ने इन क्षेत्रों में न केवल सीमाओं की अभेद सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि दुश्मन के कई ड्रोन हमलों को भी विफल कर अपनी सतर्कता और सामरिक क्षमता का परिचय दिया। गौरतलब है कि सैन्य आयोजनों के लिहाज से यह वर्ष राजस्थान के लिए विशेष महत्व रखता है। इसी वर्ष 15 जनवरी को जयपुर में आयोजित आर्मी डे परेड में भारतीय सेना की आधुनिक युद्ध क्षमता, अत्याधुनिक टैंक, हेलीकॉप्टर और हथियारों का प्रदर्शन पूरी दुनिया ने देखा था। एक बार फिर राजस्थान की धरती भारतीय सेना के पराक्रम और गौरव की साक्षी बनी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय सेना देश की सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान की सबसे मजबूत ढाल है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि भारत अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

रामकथा में राम ने गुरुकुल में ली शिक्षा

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। बगड़ रोड स्थित अयोध्या नगर में चल रही श्रीराम कथा में गुरुवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अपने भाइयों सहित गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की। संगीतमय श्रीराम कथा के कथावाचक पंडित राघव चतुर्वेदी गोवर्धन मथुरा वाले ने कहा कि श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग और सेवा की प्रेरणा देता है। प्रभु श्रीराम हमारी संस्कृति के आदर्श है। कथा में अवधनन्दन पांडे, रामावतार जांगिड़, वेदप्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, वैद्य विनोद शर्मा ने सपत्नीक व्यास पीठ की पूजा की। इस दौरान जयप्रकाश जांगिड़, डॉ अजय कुमार शर्मा, प्रोफेसर विनोद शर्मा, संजय शर्मा, जयसिंह सैनी, व्याख्याता दलीप सैनी आदि उपस्थित रहे।

आमजन की समस्याओं के निस्तारण में बरतें संवेदनशीलता : सुराणा

निसं

चूरू (नवयत्न)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत प्राप्त परिवादों का मौके पर ही निस्तारण हो रहा है।

इसी क्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को चूरू उपखंड की ढाढ़रिया बणीरोतान में आयोजित ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी व अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। इसी के साथ जिला कलक्टर ने राउमावि का अवलोकन कर प्रगति लैब में बच्चों से संवाद किया और आंगनबाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने बिजली के खंभे लगाने और पेयजल आपूर्ति बाधित होने की समस्या बताई, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला कलक्टर ने डिस्कॉम अधिकारियों को खंभे लगाने के निर्देश दिए तथा पीएचईडी अधिकारियों को पेयजल सप्लाई में व्यवधान के निस्तारण हेतु मौके पर जाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की बात कही। इस पर पीएचईडी जेईएन तकनीकी कारणों की पहचान करने व समस्या दुरूस्त करने मौके पर पहुंचे।

जनसुनवाई में आमजन के परिवाद सुनकर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन की समस्याओं के लिए गंभीर है। प्रदेश स्तर से नियमित रूप से जनसुनवाई प्रकरणों की समीक्षा की जाती है। इसलिए अधिकारी, कर्मचारी आमजन की समस्याओं के निस्तारण में संवेदनशीलता बरतें तथा यथाशीघ्र निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी आमजन की समस्याओं को सुनें व समयबद्ध समुचित निस्तारण से उन्हें संतुष्ट करें।

आमजन से शिकायत प्राप्त होने पर उन्हें तुरंत रिस्पॉन्स मिले और प्राप्त प्रकरणों में संबंधित अधिकारी समुचित कार्यवाही करें। उन्होंने पुराने जर्जर आंगनबाड़ी भवन व पंचायत भवन की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट करने के लिए सानिवि अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्रामीणों ने बिजली के खंभे लगाने, ढीले तारों, पेयजल सप्लाई में व्यवधान, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन व लीकेज, जॉब कार्ड व विवाह पंजीयन, क्षतिग्रस्त सड़क सहित कुल 11 परिवाद रखे, जिस पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। एसडीएम सुनील कुमार ने सभी अधिकारियों को प्रकरणों में समुचित कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इस दौरान तहसीलदार अशोक गोराए विकास अधिकारी कैलाश पचारिया सहित सानिवि, डिस्कॉम व अन्य सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रगति लैब में बच्चों से किया संवाद

इसी क्रम में जिला कलक्टर ने ढाढ़रिया बणीरोतान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का अवलोकन कर व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने विद्यालय में नामांकन, बच्चों की शैक्षिक व शैक्षिक गतिविधियों, परीक्षा परिणाम, अध्ययन सामग्री व पुस्तकालय विकास आदि के बारे में चर्चा की। उन्होंने विद्यालय में संचालित प्रगति लैब का अवलोकन कर कम्प्यूटर सीख रहे बच्चों से संवाद किया तथा कंप्यूटर, तकनीकी ज्ञान, कम्प्यूटर के उपयोग, सीखने के अनुभव और कंप्यूटेशनल थिंकिंग से जुड़े सवाल किए और मेंटर को विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने की बात कही। उन्होंने बच्चों से कैरियर आकांक्षाओं से जुड़ी चर्चा की और कैरियर गाइडेंस दिया।

आंगनबाड़ी केन्द्र का किया अवलोकन

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र का भी अवलोकन किया और आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों के नामांकन, स्वास्थ्य व पोषण स्तर, दिए जाने वाले पोषाहार व खेलकूद गतिविधियों आदि के बारे में चर्चा की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिए कि पोषण ट्रेकर पोर्टल पर समुचित डाटा एंट्री सुनिश्चित की जाए। इसी के साथ केन्द्र पर बच्चों के पोषाहार की गुणवत्ता मेंटेन रखें। बच्चों में शुरूआत से ही पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करें।

ग्राम विकास रथ : केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम काकड़ा में गुरुवार को ग्राम विकास रथ अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारीलाल बिश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर बिहारीलाल बिश्नोई ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी सोच के साथ ग्राम विकास रथ अभियान चलाया जा रहा है ताकि गांव-गांव जाकर आमजन को योजनाओं की सही जानकारी मिल सके और पात्र लोगों को सरकारी सुविधाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो।

उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत एलईडी वैन के माध्यम से 13 विभागों की जनहितकारी एवं विकासोन्मुख योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। यह अभियान मुख्य रूप से कृषि एवं ग्रामीण विकास पर केंद्रित है, जिसके माध्यम से हर पंचायत तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों को कृषि, पशुपालन, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, जल संरक्षण, स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों की योजनाओं की जानकारी दी।

एलईडी वैन के माध्यम से योजनाओं से संबंधित वीडियो एवं जानकारी प्रदर्शित की गई। इस दौरान बिहारीलाल बिश्नोई ने किसानों एवं ग्रामीणों से जयपुर में आयोजित होने वाली ग्लोबल एग्रीकल्चर मीट में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, नवाचार, कृषि आधारित उद्योगों एवं नई संभावनाओं से जोड़ने का कार्य करते हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, किसान और युवाओं के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। ग्राम विकास रथ अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे प्रत्येक पंचायत तक योजनाओं की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाई जा रही है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष पवन राठी, सरपंच श्रीभगवान डेलू, विकास अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190